twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 269, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पुरी के जगन्नाथ मंदिर को मिली आतंकी हमले की धमकी

नई दिल्ली

पुरी के जगन्नाथ मंदिर पर अंतकी हमले की धमकी मिली है। पुलिस के अनुसार ओड़िया भाषा में लिखी गई यह धमकी भरा दो पोस्टर मां बुढ़ी ठाकुराणी मंदिर की दीवार पर मिला। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

पोस्टर में लिखी थी यह धमकी

दीवार पर मिले एक पोस्टर में धमकी लिखी थी, 'आतंकवादी श्रीमंदिर को ध्वस्त कर देंगे। मुझे बुलाओ, वरना विनाश हो जाएगा।' पुरी के एक निवासी ने बताया कि मंदिर की दीवार पर कई फोन नंबर लिखे हैं। साथ ही पीएम मोदी, दिल्ली जैसे शब्द भी लिखे हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटनास्थल का दौरा करने वाले पुरी के एसपी पिनाक मिश्रा ने कहा कि हमने मामले का संज्ञान लिया है और इसे बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। हमें कुछ जानकारी मिली है और इस तरह की धमकी देने वालों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें बनाई जा रही हैं। एसपी ने कहा कि पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और ऐसा लगता है कि धमकी मंगलवार रात को लिखी गई थी। उन्होंने कहा कि पुलिस इस धमकी के पीछे के मकसद का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस मामले के बाद कई जगहों पर सीसीटीवी लगाए गए हैं। सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए हैं।

जगन्नाथ मंदिर का महत्व

12 वीं सदी का पुरी के जगन्नाथ मंदिर, जिसे हिन्दुओं के चार धामों में से माना जाता है। ओडिशा के तटवर्ती शहर पुरी में मौजूद ये विश्व प्रसिद्ध मंदिर भगवान विष्णु अवतार श्री कृष्ण को समर्पित है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु दुनियाभर से दर्शन करने के लिए आते हैं।

नाबालिग आरोपी का बालिग की तरह ट्रायल की मांग पर कोर्ट पंहुची पुलिस

पुणे

पुणे पुलिस ने पोर्श कार हादसे के नाबालिग आरोपी को बालिग की तरह ट्रायल करने की मांग को लेकर सेशन कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। इससे पहले जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) ने पुलिस की इस मांग को खारिज करते हुए कहा था कि यह अपराध जघन्य अपराध की श्रेणी में नहीं आता।

ट्रंप टैरिफः 'ट्रेड डील पर भारत झुकेगा नहीं'

भारत किसी देश के दवाब में आकर फैसले लेना वाला देश नहीं

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार औ टैरिफ की तल्खी के बीच अब ट्रंप प्रशासन ने मान लिया है कि भारत किसी देश के दवाब में आकर फैसले लेना वाला देश नहीं है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने भारत रुख से परेशान होकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में 'थोड़ा अड़ियल' रवैया दिखा रहा है। अमेरिका के इस बयान से साफ है कि भारतीय कूटनीति के आगे ट्रंप सरकार की चतुराई फीकी पड़ गई है। स्कॉट बेसेन्ट ने ये जवाब तब दिया जब उनके भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील को लेकर सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, "यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य है। लेकिन हम अच्छे पोजिशन में हैं। जिन बड़े व्यापारिक सौदों पर अभी सहमति नहीं बनी, उनमें स्विट्जरलैंड और भारत शामिल हैं। भारत थोड़ा अड़ियल रहा है।"

उन्होंने आगे बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर और वकीलों की टीमें इन सौदों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं।

भारत और अमेरिकी के बीच बातचीत जारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इसमें से 25 फीसदी टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया गया है। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा।

यह कदम तब उठाया गया, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की छठी दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम 25 अगस्त को भारत आने वाली है।

ट्रंप टैरिफ के बाद सोने के दाम में आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। ट्रंप टैरिफ के बाद 11 अगस्त को सोने और चांदी के दाम में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। कमोडिटी एक्सपर्ट केडिया से बातचीत के दौरान भी ये सामने आया था कि आने वाले दिनों में गोल्ड में करेक्शन का समय जरूर आएगा। कई विशेषज्ञों का भी ये मानना है कि ट्रंप टैरिफ का सीधा तौर पर सोने और चांदी पर असर नहीं होगा। दोनों में ही सोने और चांदी में गिरावट देखी जा रही है। आइए जानते हैं कि इनमें कितनी करेक्शन आई है।

सोने और चांदी में बड़ी गिरावट

एमसीएक्स में 10 ग्राम सोने में 830 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। ये कुल मिलाकर 0.82 फीसदी गिरावट आई है। 10 ग्राम सोने का दाम 101,090 रुपये दर्ज किया है। इसमें अभी सुबह 10.25 बजे 1000 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं अगर चांदी की बात करें तो 1 किलो चांदी के दाम 571 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है।

ये 0.50 फीसदी है। एमसीएक्स में सुबह 10.54 बजे 10 ग्राम सोने का दाम 100,477 रुपये दर्ज किया गया है।

भारत, चीन, रूस ने दुनिया को दिया संदेश?

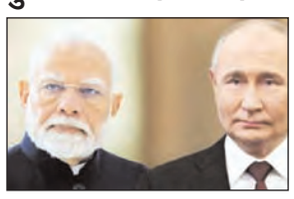

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ रूस, चीन और भारत पर एकतरफा दबाव बनाने में जुटे हैं; वहीं इन तीनों देशों के बीच कूटनीतिक संपर्क बढ़ने के साफ संकेत है। शुक्रवार को पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बात हुई। इसके कुछ ही देर बाद पुतिन ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बात की। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी चीन यात्रा को लेकर वहां की सरकार ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि चीन मोदी के स्वागत को तैयार है। उनकी प्रस्तावित यात्रा को उसने मित्रता का समागम बताया। इस तरह से देखा जाए तो ट्रंप ने ब्रिक्स संगठन के जिन चार संस्थापक देशों (भारत, चीन, रूस और ब्राजील) को निशाना बनाया है, उनके शीर्ष नेताओं के बीच पिछले 24 घंटे में संवाद हो चुका है।

भारत के फार्मा सेक्टर को झटका दे सकता है 'ट्रंप टैरिफ'

अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के कारण दवा व्यापार पर काफी गहरा असर होगा

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया हो। हालांकि, इसका गहरा असर केवल भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका पर भी देखने को मिलेगा। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर वास्तव में 50 प्रतिशत का टैरिफ भारत से आयात सामानों पर पड़ता है, तो इसका सबसे अधिक प्रभाव भारतीय दवा कंपनियों की आय पर भी पड़ेगा। इतना ही नहीं अमेरिका में भी दवाईयों को लेकर मुश्किले देखनी पड़ सकती हैं। आइए आपको बताते हैं रिपोर्ट क्या कहती है? हाल के दिनों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट सामने आई। इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के कारण दवा व्यापार पर काफी गहरा असर होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के कुल दवा निर्यात का लगभग 40 प्रतिशत अमेरिकी बाजार को जाता है।

इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय दवा निर्यात पर भी 50 प्रतिशत टैरिफ लगाते हैं, तो अगले वित्त वर्ष में दवा कंपनियों की आय में 5 से 10 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। बता दें कि भारत की कई ऐसी बड़ी कंपनियां हैं, जो अपने कुल राजस्व का 40 से 50 प्रतिशत अमेरिकी बाजार से प्राप्त करती हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े?

रिपोर्ट्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत के करीब 40 फीसदी दवा निर्यात अमेरिका को किया गया। वहीं, वित्त वर्ष 2024 में अमेरिका के कुल दवा आयात में भारत की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत रही।

ट्रंप द्वारा भारत पर थोपा गया 50 प्रतिशत का संभावित टैरिफ दुनिया के सबसे बड़े दवा बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी कम करेगा और लाभ मार्जिन पर दबाव बढ़ाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि कंपनियां बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पाएंगी।

संसद पहुंचा इस नेशनल हाईवे के धंसने का मामला

लोक लेखा कमेटी ने संसद में पेश की रिपोर्ट

भारी बरिश के कारण धंस गई थी हाईवे की सड़क

नई दिल्ली

मानसून की एंट्री के बाद केरल में मूसलाधार बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 66 धंस गया था। इस घटना से पूरे देश में हड़कंप मच गया था। वहीं, अब लोक लेखा समिति ने इससे जुड़े कुछ आंकड़े संसद में पेश किए हैं। लोक लेखा कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, हाईवे के पुनर्निर्माण का काम स्वीकृत लागत से आधी कीमत पर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मल्लापुरम, कन्नूर और कासरगोड में चौड़ीकरण का काम स्वीकृत लगात से 54 प्रतिशत पर दिया गया है।

टैरिफ वार के बीच अगले महीने अमेरिका जा सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में विश्व नेताओं को संबोधित करने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी अस्थायी सूची के अनुसार, पीएम मोदी 26 सितंबर की सुबह सभा को संबोधित कर सकते हैं। इस दौरान भारत के साथ-साथ इजरायल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश सरकार के प्रमुख भी अपनी बात रखेंगे। यह सत्र दुनिया में चल रहे कई संकटों, जैसे इजरायल-हमास युद्ध और यूक्रेन संकट के बीच हो रहा है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी 23 सितंबर को UNGA को संबोधित करेंगे। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद UNGA में ये ट्रंप का पहला संबोधन होगा। उम्मीद की जा रही है कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के बीच ट्रंप और पीएम मोदी की मुलाकात हो सकती है।

रूस-यूक्रेन जंग पर भारत की नजर

पीएम मोदी ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की है। सूत्रों का कहना है कि इस जंग का हल भारत के हित में है और ये बात दोनों नेताओं को बता दी गई है। भारत खासतौर पर 15 अगस्त को ट्रंप और पुतिन की मुलाकात पर नजर रखे हुए है, जंग को खत्म करने पर बात होगी। इसके साथ ही भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर भी जोर-शोर से काम चल रहा है।

पाक ने भारतीय राजनयिकों की पानी व गैस आपूर्ति रोकी

भारत ने भी पड़ोसी को 'जैसे को तैसा' जवाब दिया

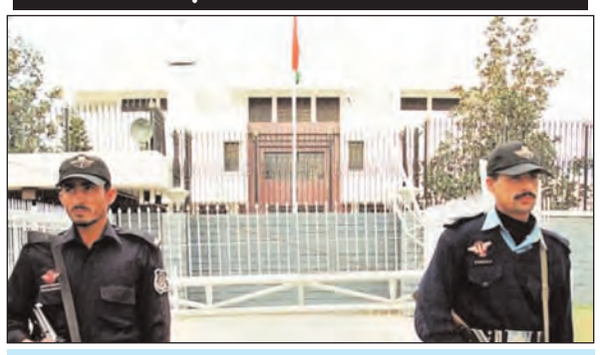

नई दिल्ली

पाकिस्तान ने फिर नापाक हरकत करते हुए इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के घरों में मिनरल वाटर, गैस और अखबार की आपूर्ति बंद कर दी है। स्थानीय गैस सिलिंडर के सप्लायरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलिंडर न बेचें। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। सूत्रों ने बताया, पाकिस्तानी अधिकारी भारतीय राजनयिकों की निगरानी भी करवा रहे हैं। इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के आवासों व दफ्तरों में अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आई हैं। इसे राजनयिकों और कर्मचारियों को डराने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तहत पाकिस्तान यह हरकतें कर रहा है। यह उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की साजिश का हिस्सा है। ऑपरेशन सिंदूर से पहले विक्रेता गैस सिलिंडर व बोतलबंद पानी की आपूर्ति भारतीय उच्चायोग में करते थे, पर अब वे ऐसा करने में हिचकिचा रहे हैं और ज्यादातर बार मना कर देते हैं। सूत्रों ने बताया, पाकिस्तानी कंपनी सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइन लि. ने भारतीय उच्चायोग परिसर में लगी पाइपलाइन में गैस की आपूर्ति रोक दी है। भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को अधिक पैसे चुकाने के बावजूद सिलिंडर मिलने में दिक्कतें पैदा की जा रही हैं। 2019 में भारत की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को ऐसी ही परेशानियां झेलनी पड़ी थीं।

जम्मू-कश्मीर: उरी में एलओसी पर मुठभेड़, आतंकी ढेर, जवान भी शहीद

श्रीनगर

स्वतंत्रता दिवस से दो दिन पहले उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस बीच एक जवान गोलीबारी में शहीद हो गए। ऐसी सूचना है कि इस एनकाउंटर में एक आतंकी भी ढेर हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने घुसपैठ की एक कोशिश नाकाम कर दी, जिसमें एक सैनिक शहीद हो गया। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी के चुरुंडा इलाके में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी।

घुसपैठ की आशंकाओं के बीच अलर्ट मोड पर जवान

बीते मंगलवार बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा कि पाकिस्तान आतंकियों की जम्मू-कश्मीर मे घुसपैठ कराने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। उत्तरी कश्मीर में एलओसी के पार लांचिंग पैड पर आतंकियों की गतिविधियां बढ़ रही हैं, लेकिन बीएसएफ ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में घुसपैठ की हर कोशिश को नाकाम बनाया है। बांदीपोर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 79 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली को झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना घुसपैठ रोकने के लिए संयुक्त रणनीति के तहत काम कर रही है।

'आधिकारिक संचार में 'हरिजन' शब्द का इस्तेमाल बंद करें'

आयुक्त-सह-सचिव ने इस संबंध में पत्र जारी किया

भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने अपने सभी विभागों, सार्वजनिक और शैक्षणिक संस्थानों और अन्य से आधिकारिक संचार में 'हरिजन' शब्द का प्रयोग बंद करने को कहा है।

अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति विकास, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के आयुक्त-सह-सचिव ने 12 अगस्त को इस संबंध में एक पत्र जारी किया है। इस पत्र में अधिकारियों को सुझाव दिया गया है कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत वर्णित अनुसूचित जातियों से संबंधित व्यक्तियों को इंगित करने के लिए हरिजन की बजाय 'अनुसूचित जाति' और अंग्रेजी में 'scheduled caste'शब्द का इस्तेमाल किया जाए।

देशभर में नदियां उफान पर, बिहार में बाढ़ से 17 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे मैदानी प्रदेशों में बारिश का कहर जारी है। उत्तराखंड के धराली में तबाही के बाद अब भी मलबे में जिंदगी की तलाश चल रही है। बिहार में सैलाब ने 10 जिलों को घेर लिया है और 17 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। कई लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। उत्तर प्रदेश में भी प्रयागराज, वाराणसी और बलिया समेत कई जिलों में बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है। 44 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट भी जारी है।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मुस्तैद

बिहार में चल रही भारी बारिश के कारण गंगा, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा समेत सभी छोटी-बड़ी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। इनमें से ज्यादातर नदियां भोजपुर, पटना, भागलपुर, वैशाली, लखीसराय, सारण, मुंगेर, खगड़िया और बेगूसराय और सुपौल में कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना, लखीसराय, भागलपुर और खगड़िया समेत 10 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और यहां 17 लाख से अधिक लोग इससे प्रभावित हुए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कुल 32 टीमें लगाई गई हैं। राहत शिविरों में बड़ी संख्या में लोग शरण लिए हुए हैं।

15 जिलों में भारी बारिश, 57 जिलों में आकाशीय बिजली की आशंका

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा और प्रयागराज में गंगा और यमुना नदी उफान पर है। दोनों शहरों में सभी प्रमुख घाट डूब गए हैं। नदी किनारे के निचले रिहायशी इलाकों में भी पानी भर गया है। इसके अलावा, देवरिया, गोरखपुर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बरेली और बलिया जिले में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। इस बीच, मौसम विभाग ने 15 जिलों में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और 29 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। 57 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी जताई है।

धराली पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे खालसा के सिंह

उत्तरकाशी के धराली में आई आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए हजारों हाथ उठ रहे हैं। खराब रास्ते और दुश्वारियों पर मदद का जज्बा भारी पड़ रहा है। खालसा एड इंडिया चेरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य भी बारिश, झंझावात और दरकते पहाड़ों को पार करते हुए पटियाला से उत्तरकाशी पहुंच गए।

भारत तकनीक, नए विचारों और 'मेक इन इंडिया' पहलों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है : बलवंत सिंह राजपूत

गांधीनगर। गुजरात सरकार के उद्योग मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने कहा, 'भारत तकनीक, नए विचारों और 'मेक इन इंडिया' पहलों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। एमसएमईएस के लिए यहां अपार संभावनाएं और अवसर मौजूद हैं।'

उद्योग मंत्री राजपूत गांधीनगर के एक होटल में भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग, गुजरात सरकार के उद्योग एवं खनन विभाग, गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और लघु उद्योग भारती के सहयोग से संयुक्त रूप से 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता' विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और देश 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दिशा में निजी कंपनियों के साथ-साथ अब एमसएमईएस(सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) की भूमिका भी बहुत अहम हो गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात के पास इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस टेक्सटाइल और विशेष सामग्रियों का मजबूत औद्योगिक आधार है, जिससे वह देश के रक्षा निर्माण में बड़ा योगदान दे सकता है। लेकिन कई गुजरात-आधारित एमसएमईएस को अभी भी राष्ट्रीय रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने में कई प्रकार की मुश्किलें आती हैं। इस सेमिनार का उद्देश्य इन चुनौतियों को दूर करना और एमसएमईएस को रक्षा क्षेत्र में अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग की संयुक्त सचिव मनीषा चंद्रा ने एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तथा गुजरात की संभावनाओं पर विशेष संबोधन दिया। भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव संजीव कुमार ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष बलदेवभाई प्रजापति ने भी अपना विशेष संबोधन दिया।

गुजरात सरकार के उद्योग एवं खनन विभाग की प्रधान सचिव ममता वर्मा ने अपने मुख्य भाषण में कहा, वर्तमान में इस क्षेत्र में 16,000 एमसएमईएस कार्यरत हैं। गुजरात में इस क्षेत्र की अपार संभावनाएं हैं और पिछले कुछ सालों में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के लिए यह ज़रूरी है कि वे सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएँ और सक्रिय नीतियों का सदुपयोग करें जिससे देश में रक्षा क्षेत्र की क्षमता और अधिक विकसित होगी। इसके अलावा मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) ए.के. चन्नन ने रक्षा खरीद प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए। गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के सौमेंदु रे ने रक्षा स्टार्टअप्स और नवाचार पर प्रस्तुति दी। सिडबी के उप महाप्रबंधक एस. मुरलीधरन, एलएंडटी प्रिसिजन इंजीनियरिंग एंड सिस्टम्स के सीनियर डिप्टी जनरल मैनेजर आनंद मिस्त्री तथा एचएएल के डिप्टी जनरल मैनेजर जावेद अली ने अपने संबोधनों में 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता' को भारत के लिए समय की आवश्यकता के रूप में रेखांकित किया। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की टीम ने अपने 100 से अधिक योजनाओं के क्रियान्वयन और एयरोस्पेस, रक्षा, हथियार आदि के विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर रक्षा निर्माण क्षेत्र की कई कंपनियों जैसे एचएएल-हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड, अभ्युदय भारत प्रोजेक्ट्स प्रा. लि., यूनिक फोर्ज राजकोट, इनसाइड एफपीवी ड्रोन, कृष्णा इंजीनियरिंग, एसएलएस सिस्टम लेवल सॉल्यूशन, उर्जा प्रोडक्ट्स प्रा. लि., वेक्समा टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., एक्सियो इंस्पायर्ड मेड टेक, सिडबी, स्पाइक इंजीनियरिंग आदि के स्टॉल भी प्रदर्शित किए गए।

तमिलनाडु के कोयंबटूर में मनाया जाएगा विश्व हाथी दिवस

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तमिलनाडु वन विभाग के साथ मिलकर कोयंबटूर में विश्व हाथी दिवस समारोह का आयोजन करेगा। यह वार्षिक आयोजन, हाथियों के संरक्षण और उनके दीर्घकालिक अस्तित्व को सुनिश्चित करने के उपायों को मजबूत करने की वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कोयंबटूर में होने वाले इस कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों, नीति निर्माताओं, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और वन्यजीव विशेषज्ञ भाग लेंगे जो विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और तमिलनाडु सरकार के वन एवं खादी मंत्री आरएस राजाकन्नप्पन भी उपस्थित रहेंगे। विश्व हाथी दिवस समारोह के अंतर्गत कोयंबटूर में मानव-हाथी संघर्ष पर एक केंद्रित कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य हाथी-क्षेत्र वाले राज्यों को मानव-हाथी सह-अस्तित्व से संबंधित अपनी चुनौतियों को साझा करने और अपने-अपने क्षेत्रों में लागू किए जा रहे संघर्ष के समाधान उपायों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। यह पहल प्रोजेक्ट एलीफेंट के तहत चल रहे प्रयासों के अनुरूप है, जो मानव और हाथियों के बीच संघर्ष को दूर करने के लिए सामुदायिक भागीदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर बल देता है।

भाजपा का लक्ष्य केवल सत्ता नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है : शहनवाज हुसैन

भागलपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भागलपुर के परिसदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि किसी भी सूरत में कांग्रेस पार्टी भारत के लिए फायदेमंद साबित नहीं हो सकती। क्योंकि उन्हें भाजपा का कोई भी काम अच्छा नहीं लगता है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस हमेशा भाजपा के खिलाफ नकारात्मक राजनीति करती है और देशहित के कार्यों पर भी राजनीति से बाज नहीं आती है। उन्होंने हाल ही में भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि इस अभियान में हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान की कमर तोड़ कर रख दी, लेकिन कांग्रेस को इसमें खुशी नहीं हुई। देश के दुश्मनों पर करारा वार करने के बाद भी कांग्रेस का चेहरा मुरझाया क्यों था? यह जनता से छुपा नहीं है। उन्होंने इसे कांग्रेस की देशहित-विरोधी सोच बताया और दावा किया कि इस रवैये का जवाब जनता चुनाव में देगी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और बिहार में अभूतपूर्व विकास हुआ है। लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल हमेशा इस विकास कार्य पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सोच देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की है, जबकि कांग्रेस केवल सत्ता में बने रहने और राजनीतिक लाभ के लिए काम करती है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर शाहनवाज हुसैन ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी ने पूरी तैयारी कर ली है।

पार्टी के खिलाफ बयान देने वाले कर्नाटक के सहकारिता मंत्री का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार में सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने अपने विवादास्पद बयान के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के निर्देश पर अपने बेटे राजेंद्र के माध्यम से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को अपना त्यागपत्र सौंप दिया है। दरअसल, 8 अगस्त को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर मतदान में धांधली का आरोप लगाया था। इस बयान के जवाब में राजन्ना ने कहा था, हमें शर्म आनी चाहिए कि हमने बिना मतदाता सूची की जांच किए अब यह बात कही है। मतदाता सूची तब तैयार हुई थी, जब हमारी अपनी सरकार सत्ता में थी, तब हमने आंखें क्यों मूंद लीं? जैसे ही इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, उसके बाद भाजपा ने राहुल गांधी पर पलटवार किया था। यह वीडियो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने आलाकमान को भेजा। वेणुगोपाल ने जांच के बाद इसे राहुल गांधी के संज्ञान में लाया था।

'हर घर तिरंगा' एक अभियान नहीं, भावनात्मक आंदोलन हैः शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू किए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान के चौथे संस्करण की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य देशभर के नागरिकों को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को अपने घरों और दिलों में उतारने के लिए प्रेरित करना है। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस वर्ष हम तिरंगा अभियान का चौथा संस्करण मनाने जा रहे हैं, जिसके लिए 5 लाख से ज़्यादा युवाओं ने स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण कराया है। ये युवा लोगों को तिरंगा अभियान के लिए प्रेरित करेंगे। नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शेखावत ने कहा, हर घर तिरंगा एक अभियान से कहीं बढ़कर है, यह एक भावनात्मक आंदोलन है, जो 1.4 अरब भारतीयों

को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के शाश्वत रंगों के तले एकजुट करता है। इसका उद्देश्य देशभक्ति को जगाना, नागरिक गौरव को बढ़ावा देना और हमारे लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता के जीवंत प्रतीक के रूप में तिरंगे के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों और राष्ट्रीय ध्वज के बीच के रिश्ते को औपचारिक और संस्थागत संबंध से गहरे व्यक्तिगत बंधन में बदलने के लिए संकल्पित, हर घर तिरंगा प्रत्येक भारतीय को भारत की स्वतंत्रता के उत्सव को चिह्नित करते हुए गर्व और सम्मान के साथ तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है।उन्होंने कहा को इस पहल का गहरा प्रतीकात्मक महत्व है-तिरंगा घर लाना न केवल व्यक्तिगत जुड़ाव की अभिव्यक्ति है बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता की भी पुष्टि है। यह हमारी आज़ादी के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाता है और एकता, अखंडता और प्रगति के मूल्यों को बनाए रखने की प्रतिज्ञा भी है। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तिरंगा अभियान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। गृह मंत्रालय के अपर सचिव अभिजीत सिन्हा और जल शक्ति मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार समीर कुमार ने अपने-अपने मंत्रालयों द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि संस्कृति मंत्रालय इस अभियान का नोडल मंत्रालय है और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों, शैक्षणिक संस्थानों, सामुदायिक संगठनों और आम जनता के साथ मिलकर काम कर रहा है।

देश में हर घर तिरंगा देशभक्ति फिल्म महोत्सव का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। हर घर तिरंगा- देशभक्ति फिल्म महोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन आज से पूरे देश में शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत इसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे में आयोजित किया जा रहा है, जिसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) की है। दिल्ली में इस आयोजन का शुभारंभ शहीद और स्वातंत्र्य वीर सावरकर पर आधारित फिल्मों के साथ हुआ, जिसे दर्शकों से अत्यधिक सराहना मिली। दिल्ली के अलावा मुंबई, चेन्नई और पुणे में आयोजित इस प्रोग्राम में केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों, कलाकारों और सांस्कृतिक हस्तियों ने भाग लिया। दिल्ली में कपिल मिश्रा ने, मुंबई में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू और अभिनेत्री श्रेया पिलगांवकर कार्यक्रम में शामिल हुईं। इसके अलावा चेन्नई में फिल्म निर्माता वसंत, कोरियोग्राफर कला मास्टर और अभिनेत्री नमिता जैसी हस्तियां शामिल रहीं। पुणे में भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय ने पूरे समारोह का सीधा प्रसारण प्रस्तुत किया।दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सिनेमा में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को अमर बनाने और पीढ़ियों को प्रेरित करने की शक्ति है। हर घर तिरंगा, देशभक्ति फिल्म महोत्सव केवल सिनेमा का उत्सव नहीं है, बल्कि उस यात्रा की याद दिलाता है जिसने हमें स्वतंत्रता दिलाई।

धराली आपदा के 98 पीड़ित परिवारों को बांटे पांच-पांच लाख के चेक

- पुनर्निर्माण और पुनर्वास कार्य को प्राथमिकता से किया जाएगा पूरा
- प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के साथ खड़ी है राज्य सरकारः मुख्यमंत्री

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली आपदा के 98 प्रभावित परिवारों को धामी सरकार की ओर से आर्थिक सहायता के रूप में पांच-पांच लाख रुपये के चेक सौंप दिए गए है। सरकार ने आपदा से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसी बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावितों को आश्वस्त किया है कि प्रदेश सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। पिछले सप्ताह 5 अग्रस्त को उत्तरकाशी एवं पौड़ी जनपदों में प्राकृतिक आपदा ने व्यापक तबाही मचाई थी। कई स्थानों पर भारी बारिश, भूस्खलन और मलबे के प्रवाह से घर पूरी तरह नष्ट हो गए और बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हुआ। इससे प्रभावित परिवारों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ा। आपदा पीड़ितों केलिए

आर्थिक मदद के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अनुरूप गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश सिंह चौहान ने धराली में 98 परिवारों को राहत राशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर आपदा प्रभावितों ने सहायता राशि त्वरित मिलने पर धामी सरकार का धन्यवाद दिया।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं क्षेत्रीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

सात दिन में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी समिति

इसी बीच मुख्यमंत्री धामी ने एक बयान जारी कर कहा कि आपदा पीड़ित क्षेत्र में रहने वाले लोग मेरे परिवार के सदस्य हैं। उनकी मदद के लिए हमारी सरकारउनके साथ खड़ी है। पीड़ितों को सहायता राहत वितरण करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अलावा भवनों, आवासों, होमस्टे, पशुधन और बागानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो सात दिन में अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर एक व्यापक राहत एवं पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाएगा, जिससे प्रभावितों को दीर्घकालिक सहयोग मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्निर्माण और पुनर्वास कार्य को प्राथमिकता के साथ अंजाम दिया जाएगा, ताकि सभी प्रभावित जल्द से जल्द सामान्य जीवन की ओर लौट सकें।

धराली आपदा का आठवां दिनः हर्षिल में भागीरथी में बनी झील से पानी की निकासी के साथ ही लापता लोगों की तलाश में शुरू अभियान में तेजी

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में धराली आपदा के बाद हर्षिल में गंगा भागीरथी नदी में बनी झील से पानी की निकासी के साथ ही लापता लोगों की खोज को लेकर अभियान तेज कर दिया गया है। इसके अलावा प्रशासन ने आपदा में अपने घर खो चुके लोगों को 5-5 लाख की तत्काल सहायता के चेक भी वितरित किए हैं। गंगोत्री र के विधायक सुरेश चौहान ने बताया कि प्रभावितों को सहायता राशि दे दी गई है और अब लापता की तलाश को लेकर अभियान तेज किया जा रहा है।

धराली आपदा का आज आठवां दिन है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में फंसे सभी लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू का कार्य पूरा होने के बाद अब लापता लोगों की तलाश पर सरकार फोकस

है। गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने भी आपदा की समीक्षा की और उन्होंने अब झील से पानी की निकासी के साथ ही लापता की खोज तेजी से करने के निर्देश दिए हैं। गढ़वाल मंडल के आयुक्त के अनुसार, 43 लोग लापता हैं और उन्हें जल्द खोजने जाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं।

हर्षिल में बनी झील से पानी की निकासी को लेकर प्रयास तेज किए गए। झील से मलबा हटाते वक्त एक जेसीबी भी झील में समा गई। चालक, परिचालक ने जेसीबी से कूद कर जान बचाई।

झील से पानी की निकासी के लिए उत्तराखंड जल विद्युत निगम, सिंचाई विभाग के साथ अन्य विभाग भी लगातार जुटे हुए हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि निचले इलाकों को सर्तक किया गया है और जल्द ही झील से पानी की निकासी सुरक्षित तरीके से कर ली जाएगी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी में वैली ब्रिज से वाहनों की आवाजाही होने के बाद अब डबरानी में मार्ग पर आवाजाही शुरू करने का कार्य भी आज तेज हुआ है।

बीएसएफ ने हीरानगर सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा

एजेंसी

कठुआ/हीरानगर। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने कठुआ जिले के राजबाग हीरानगर सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सतर्क बीएसएफ जवानों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठिए को चुनौती दी। जब उसने बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो बीएसएफ ने गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया। बाद में उसे पकड़ लिया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया, उसके बाद सुरक्षा घेरे में उसे एक स्थानीय चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया। इस संबंध में मामले की जांच की जा रही है और एजेंसियां उसकी पहचान और सीमा पार करने के उसके मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया जा रहा है।

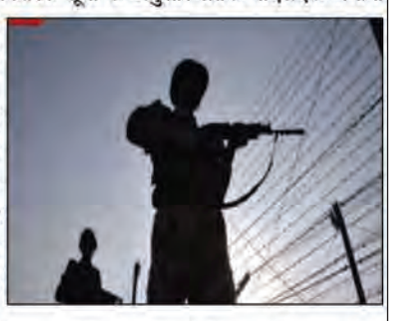

सीईए की पहली परामर्शदात्री बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न, सहकारी चुनावों में पारदर्शिता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। सहकारी चुनाव प्राधिकरण (सीईए) ने यहां राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरणों के साथ अपनी पहली परामर्शदात्री बैठक की। बैठक का उद्देश्य राज्यों के सहकारी चुनाव अधिकारियों के साथ एक संवाद तंत्र विकसित करना था ताकि देशभर में सहकारी निकायों के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सकें। बैठक की अध्यक्षता सहकारी चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह ने की। इसमें ओडिशा, बिहार, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और तेलंगाना राज्यों के चुनाव आयुक्तों सहित सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद कुमार झा, सीईए के उपाध्यक्ष आरके गुप्ता और सहकारिता लोकपाल आलोक अग्रवाल ने भाग

लिया। सिंह ने बताया कि मोदी सरकार ने सहकारी क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं। मार्च 2024 से अब तक सीईए द्वारा 159 चुनाव सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं और आने वाले समय में 69 अन्य चुनावों की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और इस अवसर पर चुनावी प्रक्रियाओं को और अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है। बैठक में उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता, चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा, निर्वाचन अधिकारियों के लिए पुस्तिका, राष्ट्रीय सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों के चुनाव तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। देवेंद्र कुमार सिंह ने सहकारी चुनावों में अमिट स्याही के प्रयोग, चुनाव चिन्ह निर्धारण तथा सदस्यों की शेयर पूंजी जैसे विषयों पर भी विचार रखे और राज्यों से सुझाव आमंत्रित किए। सीईए ने निर्णय लिया कि हर तीन महीने में एक परामर्शदात्री बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहकारी चुनाव सुधारों की प्रक्रिया को निरंतर आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में भाग लेने वाले प्रमुख राज्य प्रतिनिधियों में ओडिशा से श्रीकांत प्रुस्ती, बिहार से गिरीश शंकर व कुमार शांत रक्षित, तमिलनाडु से तिरु दयानंद कटारिया, महाराष्ट्र से अनिल महादेव कवाडे व अशोक गाडे, तथा तेलंगाना से जी श्रीनिवास राव शामिल रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर जन्माष्टमी के दिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के महिमा मंडन की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल ब्रह्मांड के नायक भगवान श्री कृष्ण के 5252वें प्राक्ट्योत्सव पर भारत की सशस्त्र सेनाओं के विश्वभर में सराहे गए पराक्रम का महिमा मंडन होगा। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर युगल सरकार भगवान श्रीकृष्ण और राधाजी, पूर्णावतार भगवान श्री केशवदेव जी महाराज सिंदूर पुष्प बंगले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। 16 अगस्त को मनाए जाने वाली जन्माष्टमी की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने एक विशेष बातचीत में कार्यक्रम को लेकर

विस्तार से जानकारी दी। कपिल शर्मा ने बताया कि युद्धकौशल, कूटनीति और पराक्रम के प्रतीक 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हर भारतीय के अन्दर गौरव और देशभक्ति की भावना का संचार किया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भारतीय सेना के पराक्रम का महिमा मंडन होगा। कपिल शर्मा ने कहा, दैवीय शक्ति, नारीशक्ति और मंगल के प्रतीक सिंदूर ने प्रत्येक देशवासी को गौरवान्वित किया है। आज पूरा विश्व भारत के राष्ट्रवादी कुशल नेतृत्व, अतुलनीय सैन्य क्षमता और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपूर्व संकल्प शक्ति को देखकर अचंभित है। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के प्राक्ट्योत्सव पर आने वाले लाखों लाख भक्त सिंदूर पुष्प बंगले में पूर्ण ब्रह्म परमात्मा अनंतलीला पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करके अविभूत होंगे। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जो भक्त सिंदूर पुष्प बंगले में विराजमान भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करेंगे वो भी आध्यात्मिक आनंद की प्राप्ति करेंगे। महोत्सव के सभी आयोजन शास्त्रीय परंपराओं के अनुरुप होंगे।

मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार, 188 मोबाइल फोन बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ यूनिट ने डीटीसी बसों में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गौतमपुरी निवासी राजेश के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के 188 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब 30 लाख रुपये है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और एक कारतूस भी बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ पहले भी चोरी, डकैती, शस्त्र अधिनियम के 13 मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके साथियों की तलाश कर रही है। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी डा. हेमंत तिवारी ने बताया कि सात अगस्त को स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि डीटीसी बसों में यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह का सरगना राजेश गौतमपुरी में आटो रिक्शा पर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापामारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से एक देसी कट्टा व एक कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी के 188 मोबाइल फोन बरामद किए।पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसके साथी डीटीसी बसों में सफर करने वाले लोगों को अपना निशाना बनाते और उनका मोबाइल फोन चोरी कर लेते हैं। वारदात के दौरान वह आटो लेकर बस के साथ-साथ चलता था। फोन चोरी करने के बाद उसके साथी चोरी का फोन उसे देकर दूसरी बस में चढ़ जाते थे। पुलिस उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए उससे पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस ने उसके आटो को भी जब्त कर लिया है।

आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान में लगे हैं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता सालों से आवारा कुत्तों की समस्या से परेशान है। इस मसले पर पिछली सरकारों ने जो किया और दिल्ली नगर निगम में जो चल रहा था, वह सबको पता है। सीएम ने एक बयान जारी कर कहा कि सरकार इस मसले पर चर्चा के साथ-साथ समाधान के प्रयासों में लगी है। उच्चतम न्यायालय ने जो आदेश दिया है, वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हमारा एक ही ध्येय है, दिल्ली की जनता को राहत देना। आज ये समस्या विकराल रूप धारण कर खड़ी है। हम पूरी योजना बनाते हुए इस पर काम करेंगे ताकि दिल्ली की जनता को राहत मिले।भाजपा नेता विजय गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज आवारा कुत्तों के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय ने हमारी 'नो डॉग्स ऑन स्ट्रीट' की मांग का समर्थन किया। न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अगले आठ हफ्तों में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में भेजा जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस पर तुरंत कार्रवाई करेगी। इस कदम से रोजाना सामने आने वाले लगभग दो हजार कुत्तों के काटने के मामलों में कमी आएगी और खासतौर पर बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग जो सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं, उन्हें राहत मिलेगी।

कर्ज चुकाने से बचने के लिए दफ्तर में चलवाई गोली, तीन पकड़े गए

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के मौजपुर में एक बिल्डर ने कर्ज चुकाने से बचने के लिए अपने ही दफ्तर पर फायरिंग की साजिश रची। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर एक नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक नौ अगस्त की दोपहर जाफराबाद थाना पुलिस को सूचना मिली कि विजय मोहल्ला, मौजपुर की गली नंबर 8, सना पब्लिक स्कूल के पास फायरिंग हुई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां शिकायतकर्ता मोहम्मद अनीश मिले। उन्होंने बताया कि वह बिल्डर हैं। दोपहर 2:30 बजे जब वह अपने दफ्तर पहुंचे, तो खिड़की का शीशा टूटा हुआ मिला। उन्हें शक था कि यह फायरिंग उस व्यक्ति ने कराई है, जिससे उन्होंने पैसे उधार लिए थे। मौके से पुलिस को एक खाली कारतूस बरामद हुआ। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस अधिकारी के अनुसार सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने मुरसलीन को दबोचा। पूछताछ में मुरसलीन ने खुलासा किया कि वह अनीश के लिए काम करता है और अनीश के कहने पर ही उसने एक नाबालिग से पिस्तौल से फायरिंग करवाई। पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस मुरसलीन से बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने अनीश और 16 वर्षीय नाबालिग को पकड़ा।

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 13 साल से हत्या के मामले फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित को वर्ष 2012 में चाची की हत्या के मामले में अदालत ने भगोड़ा घोषित किया था। पकड़े गए आरोपित की पहचान वेलकम निवासी सोनू उर्फ अजय (43) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार 29 जनवरी 2012 को वेलकम थाना क्षेत्र में संपत्ति विवाद के चलते आरोपित अशोक, भरत, हीरा, सोनू और बबलू ने भरत की दूसरी पत्नी राजरानी उर्फ राजकुमारी पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी। इस घटना में गंभीर रूप से झुलसने के बाद पीड़िता की मौत हो गई। मामले में 08 फरवरी 2012 को मुकदमा दर्ज किया गया था। 09 जुलाई 2012 को आरोपित सोनू, अशोक कुमार, हीरा देवी और बबलू को अदालत ने भगोड़ा घोषित किया। बाद में अशोक कुमार और हीरा को पकड़ लिया गया, लेकिन सोनू और बबलू फरार रहे। डीसीपी के अनुसार इंस्पेक्टर मंजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार निगरानी और तकनीकी ट्रैकिंग कर रही थी।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच हुई बातचीत, यूक्रेन में शांति बहाली का समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन से जुड़े हालिया घटनाक्रमों के बारे में पीएम मोदी को जानकारी दी।प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की का आभार व्यक्त करते हुए यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और जल्द से जल्द शांति बहाली के लिए भारत की दृढ़ और सतत स्थिति को दोहराया। उन्होंने इस दिशा में भारत की ओर से हरसंभव समर्थन प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करके और हाल के घटनाक्रमों पर उनके विचार जानकर मुझे खुशी हुई। मैंने संघर्ष के शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर भारत की दृढ़ स्थिति से उन्हें अवगत कराया। भारत इस संबंध में हर संभव योगदान देने और

यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंबी बातचीत की। हमने हमारी द्विपक्षीय सहयोग और समग्र कूटनीतिक स्थिति सहित सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मैं प्रधानमंत्री का हमारे लोगों के प्रति उनके गर्मजोशी भरे समर्थन के लिए आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने हमारे शहरों और गांवों पर, खासकर कल जोपोरिजिया में बस स्टेशन पर हुए रूसी हमलों के बारे में बताया, जहां एक सामान्य शहरी सुविधा पर रूस के जानबूझकर किए गए बमबारी में दर्जनों लोग घायल हुए। यह तब हो रहा है, जब युद्ध को समाप्त करने की कूटनीतिक संभावना अंततः दिखाई दे रही है, लेकिन रूस युद्धविराम के लिए तत्परता दिखाने के बजाय केवल कब्जे और हत्याओं को जारी रखने की अपनी इच्छा दिखा रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि भारत हमारे शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा है और इस रुख को साझा करता है कि यूक्रेन से संबंधित हर निर्णय में यूक्रेन की भागीदारी होनी चाहिए। अन्य तरीकों से परिणाम नहीं मिलेंगे।दोनों नेताओं के बीच रूस पर प्रतिबंधों को लेकर भी बात हुई। जेलेंस्की ने कहा, हमने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों पर भी विस्तार से चर्चा की। मैंने कहा है कि रूसी ऊर्जा, विशेष रूप से तेल के निर्यात को सीमित करना आवश्यक है।

चाकू घोंपकर युवक की हत्या, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । मध्य दिल्ली के नबी करीम इलाके में पुरानी रंजिश में एक युवक की चाकू से ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बंसी उर्फ पाली (22) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। बाद में बंसी का शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा गया। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने तीन आरोपित परवेश उर्फ ऋषि (20), पंकज उर्फ काके (22) और अजय (28) को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को पता चला है कि पांच से छह बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों का दावा है कि एक स्कूटी खरीद-फरोख्त को लेकर हुए विवाद में बंसी की हत्या हुई। वहीं सूत्रों का कहना है कि एक युवती से शादी करने को लेकर चल रही तनातनी के बीच वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर बाकी आरोपितों की तलाश कर रही है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि बंसी अपने परिवार के साथ अमरपुरी, नबी करीम इलाके में रहता था। इसके परिवार में पत्नी के अलावा दस माह का बेटा व बड़ा भाई सोनू है। बंसी कनॉट प्लेस के पालिका बाजार में कपड़े बेचने का काम करता था। रविवार रात करीब 11.30 बजे पुलिस को एक युवक की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। छानबीन के दौरान पता चला कि आरोपित बंसी के बड़े भाई सोनू को ढूंढते हुए एरिया में पहुंचे थे। इन लोगों ने सोनू पर हमला कर उसे जख्मी कर दिया। भाई पर हुए हमले को देखकर बंसी उसे बचाने आया तो आरोपितों ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया।

विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के समन का दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने 9 शामनाथ मार्ग बंगले पर अत्यधिक खर्च पर आवाज उठाने के लिए दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के जारी समन का जवाब दिया। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि दिल्ली विधानसभा में प्रक्रिया और संचालन के नियमों के नियम 82 को वर्तमान मामले में लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वर्तमान में 'मैं न तो विधानसभा का सदस्य हूं और न ही सदन सत्र में है।' देवेंद्र यादव ने अपने जवाब में बताया कि यह कल्पना से परे है कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा गठित की जा रही एक कमेटी उस मामले की जांच कैसे कर सकती है, जिसमें अध्यक्ष स्वयं शिकायतकर्ता हैं। देवेंद्र ने कहा कि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और विभिन्न न्यायिक निर्णयों के खिलाफ है। देवेंद्र यादव ने अपने जवाब में कहा कि एक जिम्मेदार विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस गरीबों, दलितों,

किसानों, महिलाओं और युवाओं से संबंधित जनहित के मुद्दों को उठाती रहेगी। कांग्रेस के लीगल एवं मानवाधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार के साथ वकीलों का एक समूह देवेंद्र यादव का जवाब उन्हें सौंपने और समन की अवैधता के बारे में बताने के लिए विशेषाधिकार कमेटी के अध्यक्ष से मिलना चाहता था, लेकिन उनके वकीलों से मिलने से इनकार किया गया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव का जवाब विशेषाधिकार कमेटी के अध्यक्ष कार्यालय में जमा करा दिया गया।

मुख्यमंत्री ने विस के मानसून सत्र का रिपोर्ट कार्ड किया पेश, बोलीं- तीन अहम विधेयक पारित कर रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने बताया कि 04 से 08 अगस्त तक चले इस सत्र में पांच महीने के कार्यकाल में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पारित करके उनकी सरकार ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने पिछली सरकार की विफलता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार पांच साल में महज 14 विधेयक ही पास कर पाई। मुख्यमंत्री ने न सिर्फ सीएजी रिपोर्ट के आधार पर विपक्ष के भ्रष्टाचार को उजागर किया बल्कि फांसीघर जैसे भ्रामक ऐतिहासिक फेरबदल पर भी आआपा पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता राजनीतिक नौटंकी नहीं बल्कि रचनात्मक बहस और जनसमस्याओं के समाधान पर केंद्रित शासन है। हर विधायक को बोलने का अवसर मिला, विपक्ष को भी बराबर का समय दिया गया ताकि सदन वास्तव में जनता की आवाज बन सके। उन्होंने दिल्ली सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि मात्र पांच महीना में 3 अहम विधेयक पारित जबकि पिछली सरकार ने पूरे पांच वर्षों में केवल 14 विधेयक पारित किए थे। उनमें से अधिकांश वेतन संशोधन और जीएसटी से संबंधित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि नियम 280 के तहत सदस्यों ने अपने मुद्दे सदन में रखे और 62 विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि वर्षों से लंबित दिल्ली स्कूल शिक्षा (पारदर्शिता एवं शुल्क विनियमन) विधेयक पारित बहुमत से पारित हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि सत्र में पेश दो सीएजी रिपोर्ट ने पूर्ववर्ती आआपा की सरकार के शासन के दौरान वित्तीय अनियमितताओं की पोल खोल दी। यमुना सफाई, अमृत योजना और अन्य परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से मिले फंड का सही उपयोग नहीं किया गया। यहां तक 52,000 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व के लिए उपयोगिता प्रमाणपत्र तक दाखिल नहीं किए गए। कई योजनाएं सिर्फ कागजों में चलती रहीं, जबकि जनता को कोई लाभ नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा परिसर में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा फैलाए गए झूठ और प्रोपेगेंडा को को खारिज किया। 'फांसी घर' जैसी नकारात्मक राजनीति जो न सिर्फ ऐतिहासिक फेरबदल की कोशिश थी बल्कि सदन के गौरवपूर्ण इतिहास पर कालिख पोतने का कार्य भी था। ऐतिहासिक तथ्यों के साथ फांसी घर के भ्रम को खत्म कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया सदन कानून निर्माण और जनहित के लिए है, न कि भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने के लिए। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की और बताया कि स्वतंत्रता दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सरकार की तरफ से 22 लाख तिरंगे वितरित किए जाएंगे।

'इंडस्ट्रियल आइडियाथॉन 2025' में 652 टीमों ने किया रजिस्ट्रेशन : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार के प्रमुख इंडस्ट्रियल आइडियाथॉन 2025 को स्टूडेंट इनोवेटर्स से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इसमें 652 टीमों ने चार कैटेगरी में मुकाबला करने और अपने समाधान उद्योग जगत व सरकारी तंत्र के सामने पेश करने के लिए रजिस्ट्रेशन किया, जिसमें इनाम की कुल राशि 40 लाख रुपये है। एक बयान में बताया गया है कि यह प्रतियोगिता दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (डीएआईआईडीसी) द्वारा उद्योग विभाग, जीएनसीटीडी की ओर से आयोजित की जा रही है। इसका आधिकारिक नॉलेज पार्टनर नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी को बनाया गया है। इसमें छात्रों को दिल्ली की औद्योगिक चुनौतियों के लिए तकनीक-आधारित, प्रैक्टिकल सॉल्यूशंस को तैयार करने का अवसर मिलेगा। उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने हिस्सा ले रहे छात्रों की ऊर्जा और उत्साह की सराहना करते

हुए कहा कि दिल्ली के युवा हमारे औद्योगिक भविष्य को आकार देने का हिस्सा बनना चाहते हैं। यह साबित करता है कि वे उन मुद्दों को हल करने के लिए तैयार हैं जिनका हमारे उद्योग रोज सामना करते हैं। 652 रजिस्ट्रेशनों में से 124 शॉर्टलिस्टेड टीमें अब 13 अगस्त को नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में होने वाले प्रीलीमिनरी राउंड में भाग लेंगी। इस आठ घंटे की चुनौती में वे चार प्रमुख केस स्टडीज पर काम करेंगी। दिल्ली के औद्योगिक हब्स में लास्ट माइल लॉजिस्टिक्स की अक्षमताएं और बिखरी हुई सप्लाई चेन (175 एंट्रीज), स्टार्टअप्स और उद्यमियों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारने के लिए टेक सॉल्यूशंस (188 एंट्रीज), दिल्ली की छोटी और मध्यम औद्योगिक इकाइयों के लिए इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों को अपनाना (125 एंट्रीज) और वित्त, बाजार और तकनीक तक पहुंच के माध्यम से एमएसएमईएस को मजबूत बनाना (164 एंट्रीज) है।

प्रीलीमिनरी राउंड के बाद 40 फाइनलिस्ट टीमें- प्रत्येक कैटेगरी से शीर्ष दस 22 अगस्त के ग्रैंड फिनाले में पहुंचेंगी, जहां वे अपने समाधान उद्योग और सरकारी तंत्र के सामने पेश करेंगी। सिरसा ने कहा कि इंडस्ट्रियल आइडियाथॉन के जरिए हम शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के बीच एक समन्वय बना रहे हैं। छात्रों को वास्तविक समस्याओं पर काम करने का मौका मिल रहा है, जबकि नीति निर्माताओं को देश के उज्ज्वल दिमागों से निकले आइडियाज से सीधे रूबरू हो रहे हैं।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, मुकदमा दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। । उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में सुबह एक युवक की चाकू से घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रजी अहमद(33) के रूप में हुई। आज सुबह उसका खून से लथपथ शव एक खाली प्लॉट में मिला। गला रेतने के अलावा उसके पेट, कमर, गर्दन और हाथ पर चाकू के साथ निशान थे। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस को शव के पास से ही शराब की खाली बोतल के अलावा चार गिलास बरामद हुए। जांच के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस आरोपितों की पहचान करने में जुटी है। आशंका है कि आरोपितों ने शराब पिलाने के बाद रजी अहमद को मौत के घाट उतारा। एक से अधिक व्यक्ति ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से छानबीन कर रही है। परिजनों ने आरोप लगाया कि रविवार रात रजी को उसका ही एक दोस्त घर से बुलाकर ले गया था। उत्तर-पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि रजी अपने परिवार के साथ गली नंबर-1, हरकेश मार्केट, खजूरी खास में किराए के मकान में रहता था। इसके परिवार में दो पत्नियां और चार बच्चे हैं। रजी पीओपी का काम करता था। इसके माता-पिता और परिवार के बाकी सदस्य बिहार में रहते हैं। रजी की पत्नी तबस्सुम खातून ने बताया कि उसके पति घर पर मौजूद थे।

पौधे लगाना सिर्फ कार्यक्रम नहीं, भविष्य का निवेश है: महापौर

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने बीएसएफ कैंप छावला में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हिस्सा लिया और एक पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली के पर्यावरण, हवा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में निवेश है। महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आज का दिन दिल्ली के हरित इतिहास में दर्ज होने वाला है। सिर्फ एक घंटे में इस परिसर में एक हजार पौधे और दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में एक लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भव्य वृक्षारोपण अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' को साकार करता है।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और राष्ट्र की भलाई के लिए पेड़ लगाना है, जो सैनिकों की तरह देश की सेवा करते हैं। पेड़ ऑक्सीजन प्रदान करके पर्यावरण की रक्षा करते हैं, जैसे सैनिक सीमाओं पर देश की सुरक्षा करते हैं। इकबाल सिंह ने कहा कि लोग प्रकृति और हरियाली देखने के लिए पहाड़ों और जंगलों में जाते हैं, लेकिन दिल्ली में ही पर्याप्त पेड़ हों, तो

यहीं प्रकृति का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ हवा और अच्छी ऑक्सीजन के लिए पेड़ों की जरूरत है, जो जीवन के लिए अनिवार्य है। महापौर ने कहा कि यह वृक्षारोपण ड्राइव एक जागरूकता अभियान है। जो हर नागरिक को प्रेरित करती है कि वह अपने हिस्से का एक पौधा अवश्य लगाए।

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार और नगर निगम स्वच्छ दिल्ली के संकल्प के साथ युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। यह एक स्वच्छ, सुंदर और हरित दिल्ली की दिशा में एक कदम है। इस कार्यक्रम में उपमहापौर जय भगवान यादव के साथ बीएसएफ आईजी संजय गौड़ और डीआईजी पीएस भट्टी भी मौजूद रहें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनका जीवन हमें ये सिखाता है कि देश प्रेम और साहस की कोई उम्र नही होती। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मां भारती के वीर सपूत, महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने कहा कि बोस के बलिदान की अमिट गाथा सभी राष्ट्रभक्तों के लिए प्रेरणापुंज है।सचदेवा ने बताया कि महज 18 साल की उम्र में देश के लिए अपनी जान न्योछावर करने वाले शहीद खुदीराम बोस का आज 118वां शहादत दिवस है। उल्लेखनीय है कि खुदीराम बोस का आज 118वां शहादत दिवस है।

एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश नुकसान नहीं झेल सकता : किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू विपक्षी सांसदों के बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ संसद भवन परिसर से चुनाव आयोग तक मार्च पर जमकर बरसे। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बिना नाम लेते हुए कहा कि एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश इतना नुकसान नहीं झेल सकता। किरेन रिजिजू ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी और विपक्ष ने बहुत समय बर्बाद किया है। अब हम देश और संसद का समय और बर्बाद नहीं होने देंगे। सरकार महत्वपूर्ण विधेयक पारित करना चाहती है। आज हम लोकसभा और राज्यसभा दोनों में महत्वपूर्ण विधेयक पारित करेंगे। एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश इतना नुकसान नहीं झेल सकता। रिजिजू के मुताबिक, कई विपक्षी सांसदों ने भी आकर कहा कि वे असहाय हैं। उनके नेता उन्हें

जबरदस्ती हंगामा करने के लिए कहते हैं। यहां संसद में चुनकर आए हैं, जनता की बात रखने के लिए। हर दिन, हम देश और संसद का समय एक मुद्दे पर बर्बाद नहीं होने देंगे, इसलिए हम महत्वपूर्ण विधेयक पारित करेंगे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, आज भी उन्होंने (विपक्ष ने) चुनाव आयोग जाने के लिए समय मांगा और चुनाव आयोग ने इंडी गठबंधन को प्रत्येक पार्टी से दो सदस्यों को भेजने के लिए कहा। 30 सदस्यों को बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं गए। इंडी गठबंधन में, वे उन 30 लोगों को तय नहीं कर पाए। अब, खड़गे कह रहे हैं कि सभी विपक्षी सदस्य वीआईपी हैं, तो क्या 150 लोग चुनाव आयुक्त के कमरे में प्रवेश करेंगे? उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडी गठबंधन को सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा नहीं है, उन्हें चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है, उन्हें संसद पर भरोसा नहीं है। वे हमारे देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार करते हैं। भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए बार-बार नाटक क्यों करते हैं? जनता ने हमें देश सेवा के लिए भेजा है, न कि यहां नाटक करने के लिए भेजा है। हम विपक्ष से अपनी आखिरी अपील करते हैं। हम बिल पारित करेंगे। आपको चर्चा में भाग लेना चाहिए। विपक्ष के लोग बाद में झूठ नहीं बोलें कि हमें बोलने नहीं दिया। बता दें कि विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग दफ्तर तक मार्च निकाला। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की तो विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत समेत विपक्ष के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया।

चुनाव आयोग की तरफ से भाजपा बैटिंग कर रही है : इमरान मसूद

एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार की मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा गरमाया हुआ है। 'इंडिया' ब्लॉक के सांसदों ने सोमवार को इसके विरोध में संसद भवन से निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की, हालांकि पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दी और हिरासत में ले लिया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने मंगलवार को तंज कसते हुए कहा कि भाजपा चुनाव आयोग की तरफ से बैटिंग कर रही है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने से कहा, चुनाव आयोग पर उठाए हर सवाल का जवाब भारतीय जनता पार्टी दे रही है। क्या भाजपा चुनाव आयोग की प्रवक्ता है? दोनों की सांठगांठ है। ऐसा नहीं है तो फ्रंटफुट में भाजपा क्यों खेलना चाह रही है? हमारी लड़ाई चुनाव आयोग से है और हम उनसे सवाल कर रहे हैं।उन्होंने कहा, चुनाव आयोग से हमारे जो सवाल हैं, वह स्पष्ट हैं। चुनाव आयोग ने जो दस्तावेज हमें दिए, उसमें झूठ

पकड़कर हमने उसे जनता के सामने रख दिया। अब गेंद चुनाव आयोग के पाले में है, लेकिन आयोग की तरफ से भाजपा बैटिंग कर रही है। ऐसे में दोनों का गठजोड़ साफ दिखाई दे रहा है।उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंदिर-मस्जिद विवाद को लेकर कांग्रेस नेता ने सरकार पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह उनका एजेंडा है। अगर सामने कोई दूसरा होगा, तो गोलियां चलेंगी, लेकिन अगर उनकी विचारधारा के लोग होंगे, तो वे समझा-बुझाकर मामले को शांत करेंगे। कुछ लोग धर्मस्थल के अंदर जाकर तोड़-फोड़ कर रहे हैं और पुलिस हाथ जोड़कर लोगों को निकाल रही है। ये क्या तमाशा है? वे ऐसी नफरतों को कहां पर लेकर जाएंगे? वे जो बो रहे हैं, उसे काटना भारी हो जाएगा। उन्होंने अमेरिका द्वारा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने पर कहा, पाकिस्तान खुद आतंकवादी है। ऐसे में अमेरिका सबसे बड़े आतंकवादी को संरक्षण दे रहा है। आईएमएफ से लोन दे रहा है। ऐसे में अमेरिका क्यों आतंकवाद की बात कर रहा है? गाजा में नरसंहार हो रहा है, लेकिन अमेरिका उस पर एक शब्द नहीं बोलता है।

संपादकीय

हवा-पानी की आजादी के बिना आजादी अधूरी

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आजादी मतलब ह्यस्वस्थ हवाह्ल पाना है। हमारे आजादी को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आजादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आजादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आजादी मिली है? आजादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ. झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज बनती जा रही है। ह्यहवा-पानी की आजादीह्ल का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बबार्दी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार ह्यबहुत खराबह्ल या ह्यखतरनाकह्ल श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को जहरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-अब भी खरे हैं तालाब। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने ह्यअटल भूजल योजनाह्ल, ह्यनल से जलह्ल और ह्यनदी पुनर्जीवनह्ल जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आजादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज सिर्फ. चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आजादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोजगारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेजी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आजादी है?

क्या विपक्ष विदेशी षड्यंत्र का शिकार हो गया है

राकेश शर्मा

अंग्रेजी में कहावत है जॉइनिंग द डॉट्स और हिंदी भाषा में कहा जाता है किसी गहरी साज़िश का पदार्फाश करने के लिए बिंदुओं को जोड़कर देखना होता है ।

आजकल बहुत अरसे से देश में जो अराजकता, हिंसा , झूठ, मक्कारी और फरेब की राजनीति चल रही है उसकी जड़ें और चाबुक विदेशी आकाओं के हाथ में दिखती हैं।

लगातार मिल रही हार से हताश , निराश विपक्ष सत्ता प्राप्ति के लिए झूठ और फरेब का सहारा लेकर राष्ट्र हित के खिलाफ किसी भी हद तक गिर सकता है और इस घिनौनी हरकत के लिए भारत विरोधी विदेशी तत्वों से मदद लेने में भी इन्हें कोई गुरेज नहीं है ।

सबसे पहले विपक्ष के संसद ना चलने देने के उदाहरण से करते हैं । ऑपरेशन सिंदूर पर पूरा विपक्ष (कांग्रेस के कुछ नेताओं जैसे शशि थरूर और मनीष तिवारी) को छोड़कर सभी पाकिस्तान की भाषा बोलते रहे जिसका नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे थे और उनके बयानों को पाकिस्तान में प्रमुखता से छापा गया जैसे ऑपरेशन सिंदूर में हमारे कितने विमान पाकिस्तान ने गिराए, पी चिदंबरम ने पूछा की इस बात का क्या सबूत है कि पहलगाम में निदोर्षों की हत्या करने वाले पाकिस्तानी ही थे । ये सब पाकिस्तानी नैरेटिव थे जिन्हें भारतीय विपक्ष जोर शोर से उठाता रहा । उन्हें भारतीय सेना, विदेश मंत्रालय के बयानों से कोई मतलब नहीं था और पाकिस्तानी बयानों पर विश्वास करते रहे ।

दूसरी और कौन नहीं जानता की अंदरूनी रूप से अमेरिका भारत की उन्नति , तरकी, विकास से खुश नहीं है और वहाँ का डीप स्टेट बहुत सालों से भारत में विकसित भारत के संकल्प को मूर्त रूप देने वाली नरेंद्र मोदी की मजबूत सरकार को अपदस्थ करने के षड्यंत्र रचता रहा है और चाहता है कि भारत में लुंज पुंज सरकार सत्ता

में आ जाए और विकास की रेल पटरी से उतर जाए । पिछले आम चुनाव में अमेरिकी डीप स्टेट ने भारत में मोदी को हराने के लिए अंधाधूद पैसा बहाया था , अभी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ही पाकिस्तान को आईएमएफ से आर्थिक मदद कराई, दो बार पाकिस्तान के फील्ड मार्शल मुनीर को अमेरिका बुलाकर भारत के खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है, ट्रम्प मोदी को एक तरफ टफ नेगोशिएटर कहता रहा और दूसरी तरफ भारत पर रूस से तेल एवं ऊर्जा खरीदने पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगा देता है । अमेरिका का उद्देश्य किसी भी तरीके से भारत को कमजोर करने का है ।

इसमें ट्रम्प का बार बार यह कहना की मैंने भारत पाक के बीच युद्ध विराम करता जिसे भारतीय तंत्र लगातार नकारता रहा और प्रधानमंत्री ने तो लोकसभा के पटल पर भी कह दिया कि भारत पाक युद्ध के दौरान उनकी किसी विदेशी नेता से कोई बात नहीं हुई ।

इस विषय को लेकर विपक्ष ने संसद में लगातार हंगामा किया और सरकार के चर्चा का समय तय किए जाने के बाद भी संसद नहीं चलने दी । विपक्ष ने किसके इशारे पर यह अराजकता फैलाई ।साफ जाहिर है जब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो गई तो संसद को चुनाव आयोग द्वारा बिहार में चुनावी लिस्ट से मृतकों, बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं या जो वोटर अन्य जगह स्थानांतरित हो गए हटाए जाने पर संसद ठप्प की जा रही है । कहा जा रहा है कि वोटों की चोरी हो रही है । चोरी तो तब थी जब उपरोक्त लोगों का नाम वोटर लिस्ट में थे ।

राहुल कह रहे हैं कि इस कारण संविधान खतरे में आ गया है, राहुल संविधान तब खतरे में आया जब आपने चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुले आम धमकी दी की जब हम सत्ता में आयेंगे तो एक एक से निपटा जाएगा, जब आप बांग्लादेशियों, मृतकों और स्थांतरित लोगों को चुनावी लिस्ट से हटाने पर हंगामा कर रहे हो ।

ज्ञातव्य हो कि जब बांग्लादेश से शेख हसीना को अपदस्थ किया गया और अमेरिकी चप्पू मो यूनुस को सत्ता सौंपी गई तब भी अमेरिका ने बांग्लादेश में यही मुहिम चलवाई थी की शेख हसीना चुनाव धांधली कर जीती है , अब वही प्रयोग भारत में भी करवाना चाहता है जिसमे विपक्ष अमेरिका का पूरा साथ दे रहा है ।

खैर भारत में भारतीयों की सतर्कता के कारण और जनता का विपक्ष पर नदारद विश्वास के कारण वह कुछ नहीं कर पायेगा ।

विपक्ष अपनी विश्वसनीयता लगातार खो रहा है और भारत विरोधी विपक्षी शक्तियों से मदद लेकर जयचंद की भूमिका निभा रहा है । हैरानी सिर्फ इस बात की है कि सत्ता प्राप्ति के लिए कोई अपने ही देश से गद्दारी की बात कैसे सच सकता है।

क्या है हनी ट्रैप क्यों आ रहे उससे राजनीतिक तूफान !

अशोक भाटिया

हनी ट्रैप एक बार फिर चर्चा में हैं. ऐसा इसलिए, क्योंकि कर्नाटक में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया था , जब कर्नाटक विधानसभा में मंत्री के. एन. राजन्ना ने खुलासा किया था कि राज्य में 48 लोग ह्यहनी ट्रैपह्ल के जाल में फंस चुके हैं, जिनमें कई नेता भी शामिल हैं. इसके बाद कर्नाटक में कई दलों के विधायकों ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की राजनीति में ह्यहनी ट्रैपह्ल एक हथियार के रूप में इस्तेमाल हो रहा है. महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब एक बड़े नेता ने दावा किया कि राज्य के 72 वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और पूर्व मंत्री हनी ट्रैप के जाल में फंस सकते हैं। नासिक दौरे पर आए इस राजनेता ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में यह चौंकाने वाली बात कही, जिससे सूबे के सियासी गलियारों में खलबली मच गई थी ।

गौरतलब है कि हम आजकल हनी ट्रैप की खबरों, घटनाओं, बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति, मानहानि के डर से आत्महत्या के बारे में सुनते और पढ़ते रहते हैं। इस लेख में, हम हनी ट्रैप के बारे में विस्तार से जानेंगे। हनी ट्रैप एक आकर्षक या आकर्षक व्यक्ति का उपयोग किसी अन्य व्यक्ति को फंसाने के लिए किया जाता है, संभवतः वह व्यक्ति जो उसे फंसाता है। यह उस व्यक्ति के लिए एक तरह का मानसिक और भावनात्मक जाल है जो फंसना चाहता है। आकर्षण, अंतरंगता, स्नेह या शारीरिक संबंधों के लालच के माध्यम से दूसरे व्यक्ति से धन, संपत्ति, गोपनीय जानकारी या अन्य व्यक्तिगत लाभ प्राप्त किए जाते हैं। दुनिया में पहली बार ह्यहनीट्रैपह्ल शब्द का इस्तेमाल ब्रिटिश उपन्यासकार जॉन ली कैरी ने किया था। उन्होंने इस शब्द का इस्तेमाल अपने उपन्यास ह्यटिंकर टेलर सोल्जर स्पाईह्ल (1974) में किया। इसके बाद से यह शब्द दुनिया की खुफिया एजेंसियों और मीडियाकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों में भी काफी पॉपुलर हो गया।इस तरह के ट्रैप में फंसने का सबसे बड़ा कारण मानवीय कमजोरियां, वलनरेबिलिटी या फिर मूर्खता होती है। और सच पूछिए तो इन सारी चीजों का पढ़ा-लिखा होने या किसी गंभीर, जिम्मेदार पद पर बैठे होने से कोई वास्ता नहीं है। हनी ट्रैप का शिकार वही होता है, जिसके पास या तो पैसा है या फिर इंफॉर्मेशन। यानी आपके पास कुछ ऐसा है, जो दूसरे व्यक्ति को चाहिए। वो सीधे तरीके से आपसे मांग नहीं सकता तो आपको अपने जाल में फंसाएगा, मजबूर करेगा।

प्राइवेट डिटेक्टिव संजीव देसवाल ने बताते है कि हनी ट्रैप एक पुराना खेल है, जिसका उपयोग 320 ईस्वी में राजाओं को जाल में फंसाने के लिए किया जाता था. हालांकि, समय के साथ इसका तरीका बदल गया है. पहले, राजाओं के विद्रोहियों को खत्म करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता था. लेकिन आज इसका उपयोग पैसे, ब्लैकमेलिंग, खुफिया एजेंसी से जानकारी निकालने, नेताओं से जानकारी हासिल करने और अन्य अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता है. सोशल मीडिया पर फेक प्रोफाइल के जरिए इसका खेल होता है, जहां लोगों को फंसाया जाता है और उनकी जानकारी हासिल की जाती है. अब सोशल मीडिया के युग में, इसकी प्रकृति बदल गई है और अब आम लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं। हनी ट्रैप विभिन्न कारणों से किया जाता है, कुछ मुख्य कारण दूसरे व्यक्ति को उसके निजी क्षणों, फोटो या वीडियो प्राप्त करके या उसके साथ रहते हुए यौन संबंध रखने के फोटो, वीडियो लेकर ब्लैकमेल करना है। हनी ट्रैप व्यक्ति विभिन्न रूपों का उपयोग करता है जैसे कि उसे उन चीजों को करने के लिए कहना जो वह नहीं करना चाहता है और फिर उसे रिकॉर्ड करने के लिए वीडियो कॉल के माध्यम से परेशान करता है। वित्तीय लाभ इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हनी ट्रैप का उपयोग उच्च पदों पर बैठे लोगों से धन, संपत्ति या अन्य वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए किया जाता है। एक बार यह ब्लैकमेल, सामाजिक मानहानि, कार्यस्थल, नौकरी हानि के सामने समझा जाता है। हमें डर है कि अगर ये फोटो और वीडियो समाज के बाहर वायरल हो गए तो क्या होगा। ऐसी तनावपूर्ण स्थिति में एक व्यक्ति को बार-बार धमकी दी जाती है और बड़ी रकम की मांग की जाती है। किसी व्यक्ति से गोपनीय जानकारी प्राप्त करना जैसे कि देश की सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त करना या देश की सुरक्षा से संबंधित अन्य गोपनीय जानकारी, कार्यालय की जानकारी, हनी ट्रैप के जरिए राजनीतिक हथकंड, बड़े सौदे, अहम फैसलों की जानकारी निकालना आसान है।

हनी ट्रैप का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करके या गलत निर्णय लेकर, महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णयों या विकास में हस्तक्षेप करने, राजनीतिक रुख बदलने, नेताओं या पार्टियों को तोड़ने के लिए भी किया जाता है। राजनीतिक कार्यालय हासिल करने के लिए, राजनीति में आगे बढ़ने के लिए, उच्च रैंकिंग वाले नेताओं के करीब आने के लिए। उनके द्वारा काम करवाने के लिए हनी ट्रैप का इस्तेमाल किया जाता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका काम का क्षेत्र क्या है, आप हनी ट्रैप में नहीं फंसेंगे। सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। यहां तक कि युवा लड़के और लड़कियां और बुजुर्ग भी ऐसे जाल में फंस जाते हैं, इसलिए सावधान रहना जरूरी है चाहे आप कितने भी बड़े क्यों न हों। जब आप अध्ययन करते हैं कि पुरुष हनी ट्रैप में कैसे फंसते हैं, तो कुछ बिंदु सामने आते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आजकल हर कोई नियमित रूप से सोशल मीडिया, मोबाइल, लैपटॉप पर विभिन्न एप्लिकेशन और साइटों का उपयोग कर रहा है, कई नोटिफिकेशन। अक्सर, विभिन्न संदेश और लिंक डिजाइन किए जाते हैं ताकि आप उन्हें बिना जांचे खोलना चाहते हैं। उनका उपयोग सोशल मीडिया पर पुरुषों के साथ पहचान करने के लिए किया जाता है। परिचय फेसबुक, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकर्षक प्रोफाइल के माध्यम से किया जाता है। दूसरे व्यक्ति ने आपका विश्वास अर्जित किया है। एक बार जब यह महसूस हो जाता है, तो उनके सामने वाले व्यक्ति पर सोशल मीडिया चैट, साझा की गई फोटो, वीडियो और जानकारी का उपयोग करके दबाव डाला जाता है, जब किसी व्यक्ति ने भावनाओं में फिट होकर कोई आपत्ति या मांग उठाई है, तो उसे मोहरा बना दिया जाता है।एक भावनात्मक संबंध बनाने से, व्यक्ति धीरे-धीरे आपके साथ घनिष्ठ संबंध बनाता है और आपका विश्वास जीतता है। फिर निजी जानकारी का आदान-प्रदान किया जाता है, जैसे कि दूसरा व्यक्ति आपसे आपके व्यक्तिगत जीवन के बारे में जानकारी लेता है, आपके सप्ताह, सुख, दुख, आदतों की पहचान करता है, और आपके करीब आने की कोशिश करता है, यहां तक कि आपके परिवार, घर, नौकरी आदि के बारे में भी ।उद्योग की दिन-प्रतिदिन की दिनचर्या की जानकारी भी छीन ली जाती है। एक अत्यधिक संवेदनशील मुद्दा हनी ट्रैप में फंसने की ओर ले जाता है। अक्सर कोई व्यक्ति वीडियो कॉल पर अश्लील बातचीत या कार्रवाई की मांग करता है। इन पलों को रिकॉर्ड किया जाता है और फिर ब्लैकमेलिंग शुरू हो जाती है। आपको भुगतान करने के लिए कहा जाता है, कुछ गोपनीय महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए कहा जाता है, या कोई भी काम करने के लिए मजबूर किया जाता है जो जोखिम भरा है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि हनी ट्रैप से बचने के लिए क्या करना चाहिए। इस जाल में गिरने से खुद को बचाने के लिए आप कुछ चीजें कर सकते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग करते समय अजनबियों से सावधान रहें। सोशल मीडिया पर अजनबियों से फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करते समय सावधान रहें, सत्यापित करें कि क्या कोई झूठी प्रोफाइल, झूठी जानकारी झूठी फोटो डालकर बनाई गई है या सत्यापित करें कि ऐसा व्यक्ति वास्तव में मौजूद है, वह कहां है, वह क्या करता है। सुंदर लड़कियों के इंटरनेट से फोटो का उपयोग करना, जो महिलाएं मौजूद नहीं हैं, उनका कोई संबंध नहीं है, इसे झूठे नामों का उपयोग करके विभिन्न अनुप्रयोगों पर रखा जाता है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो उस प्रोफाइल से निपटते हैं जो आपको हनी ट्रैप करने के लिए कई तरह से कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, आप कितने भी प्रलोभित या आकर्षित क्यों न हों, अपनी अंतरात्मा को जागृत रखते हुए सोशल मीडिया को संभालने की सलाह दी जाती है। अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी को न दें, अपने व्यक्तिगत जीवन और वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी किसी अजनबी के साथ साझा न करें। वीडियो कॉल पर अजनबियों के साथ निजी या अश्लील बातचीत से बचें। ऐसी स्थिति में कुछ भी आपत्तिजनक न करें। पैसे मांगने वालों से दूर रहें। अगर कोई आपसे अचानक पैसे या अन्य मदद मांगता है, अगर उसके इरादे सही नहीं लगते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं। ऐसे में पुलिस की मदद लेना बहुत जरूरी है। अगर कोई आपको ब्लैकमेल कर रहा है, तो डरें नहीं। तुरंत पुलिस को सूचित करें, कानून की मदद लें। यदि आपको संदेह है कि आप हनी ट्रैप की किसी भी स्थिति में फंस गए हैं, तो परिवार के सदस्य कार्रवाई करें। अगर आप अकेले हैं, सेक्शुअली डिप्राइव्ड हैं, आपको रिलेशनशिप की जरूरत है और आप बहुत डेसपेरेटली ये चीजें ढूंढ रहे हैं, तभी आपके इस तरह के हनी ट्रैप में फंसने के ज्यादा चांस हैं। इसलिए प्लीज, किसी काउंसलर से बात करें। अपनी समस्याएं शेयर करें। दुख और अकेलेपन के कारण फ्रॉड में न फंसे। अकेलेपन से उबरने का क्रिएटिव तरीका ढूंढें। दोस्तों और रिश्तेदारों की मदद लें, उन्हें विश्वास में लें, अपनी गलती स्वीकार करें, डर, गड़बड़ में गलत निर्णय लेने से बचें। ऐसे में आप पुलिस या साइबर सेल से संपर्क कर सकते हैं।

ट्रम्प द्वारा 50% आयात टैरीफ अकल्पनीय वज्रपात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने भारतीय वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने के कार्यकारी आदेश हस्ताक्षरित किए हैं। यह 31 जुलाई 2025 को घोषित 25% टैरिफ के अतिरिक्त है। इसका एक हिस्सा 7 अगस्त से व बाकी 21 दिन बाद लागू होगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसे ह्यबेहद दुर्भाग्यपूर्णह्ल कहा है।ह्ल आर्थिक पत्रकार टी.सी.ए. शरद राघवन ने कहा ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ 50% किया है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर अप्रिय प्रभाव होंगे। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकारी आदेश के तहत भारत से आयात पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ भारत द्वारा रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तेल आयात करने के जवाब में लगाया गया है।

ट्रंप का 50% टैरिफ आर्थिक ब्लैकमेल है; लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने कहा। डॉ. एस.जयशंकर, विदेश मंत्री ने इन ताजा घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ट्रंप द्वारा अतिरिक्त शुल्क लगाना, अनुचित व अविवेकपूर्ण है। विक्रम मिस्री, विदेश सचिव ने अमेरिका द्वारा लगाए टैक्स को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण कदम कहा है। रूस के साथ तेल और हथियारों के व्यापार के लिए डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत की आलोचना तथ्यात्मक लेकिन अतार्किक है। भारत सभी व्यापार अमेरिका के साथ ही तो नहीं कर सकता? ट्रम्प का ये व्यावहार रूसी तेल आयात का भारत पर ह्यजुरमानाह्ल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैं यह निर्धारित करता हूं कि भारत से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त मूल्यानुसार शुल्क लगाना आवश्यक व उचित है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी संघ से तेल आयात कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में ट्रम्प ने रूस से तेल आयात के लिए दंड के रूप में भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बार-बार धमकी दी थी। लेखिका ने अपने पूर्व लेख में चेतावनी दी थी कि भारत-अमेरिका के बिगड़ते संबंधों को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता, सचिव और विदेश मंत्री को अमेरिकी डिप्लोमैट्स और ट्रम्प सरकार से, संयम द्वारा बातचीत की जानी चाहिए। इसका सबसे घातक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

साध्वी बनने का नया ट्रेंड: त्याग की ओट में सुख का ब्रांड?

प्रियंका सौरभ

बचपन में हम सुनते थे कि साध्वी वह होती है जो मोह, माया, श्रृंगार, आकर्षण और सांसारिक जिम्मेदारियों से ऊपर उठ गई हो। वह जो खुद को समर्पित कर दे – ध्यान, साधना और आत्मा के शुद्धिकरण के लिए। आज की दुनिया में जब हम साध्वी शब्द सुनते हैं, तो कल्पना में कोई ध्यानमग्न स्त्री नहीं आती, बल्कि किसी मंच पर तेज रोशनी में प्रवचन देती, डिजाइनर केसरिया वस्त्रों में सजी-धजी, सोशल मीडिया पर हजारों अनुयायियों वाली कोई आधुनिक साध्वी उभर आती है। अब साध्वी बनने का अर्थ आत्म-त्याग से नहीं, एक नई जीवन शैली से जुड़ गया है – जिसमें भोग त्यागने का दावा तो है, लेकिन सुख और लोकप्रियता का उपभोग भलीभांति जारी है। त्याग के नाम पर अब एक सुरक्षित ब्रांडिंग की जाती है, जिसमें स्त्री घर-परिवार, विवाह और सामाजिक दायित्वों से अलग होकर एक आध्यात्मिक आभामंडल रचती है – जिसमें चमक होती है, भीड़ होती है, डोनेशन होते हैं, देश-विदेश की यात्राएं होती हैं, पर आत्मसंयम और आत्मचिंतन का गहराई से कोई वास्ता नहीं होता। यह प्रवृत्ति कोई आध्यात्मिक जागरण नहीं, बल्कि एक रणनीतिक पलायन है – जहाँ स्त्रियाँ संसार से भागती नहीं, बल्कि उसे अपने तरीके से नया आकार देती हैं, अपनी सुविधाओं और अपेक्षाओं के अनुसार। वे कहती हैं – हमने सब त्याग दिया, पर वास्तव में उन्होंने वही त्यागा जो उन्हें परेशान करता था – जिम्मेदारी, अपेक्षा, उत्तरदायित्व, और रिश्तों का बोझ। लेकिन उन्होंने अपना मैं नहीं त्यागा, अपनी महत्ता नहीं छोड़ी। आज की कई तथाकथित साध्वियाँ सार्वजनिक मंचों पर उपदेश देती हैं कि भोग एक भ्रम है, गृहस्थी एक बंधन है, स्त्री का असली रूप वही है जो भीतर मौन हो और बाहर समर्पण में हो। लेकिन जब वही साध्वी इंस्टाग्राम पर फि ल्टर लगाकर वीडियो अपलोड करती है, जब वह अपने हर कार्यक्रम का विज्ञापन करवाती है, जब उसके आयोजनों में विशेष पास और वीआईपी दीर्घा होती है – तब यह सवाल उठता है कि यह आध्यात्म है या महज एक सफल जनसंपर्क योजना? पुराने समय में साध्वी बनना साहस का काम था। एक स्त्री जब दुनिया से अलग होती थी, तो उसे हर कदम पर समाज से टकराना पड़ता था। आज, जब कोई कहती है – मैं अब साध्वी हूँ – तो उसकी हर सामाजिक आलोचना चुप हो जाती है। क्योंकि हम यह मान बैठे हैं कि जो स्त्री केसरिया पहन ले, सिर पर घूंघट रख ले, और संस्कृतनिष्ठ भाषा में बोले – वह अब ह्लदेवीह्व है, उससे सवाल नहीं किए जा सकते।

इस प्रवृत्ति में सबसे बड़ा संकट यह है कि यह स्त्रियों को एक नया पलायन रास्ता दे रही है – आत्म-निर्माण के नाम पर आत्म-दंभ की गली। वे ना तो घर की जिम्मेदारी उठाना चाहती हैं, ना कार्यक्षेत्र की स्पर्धा में उतरना चाहती हैं, ना परिवार, समाज या राजनीति से टकराना चाहती हैं। उन्हें चाहिए एक ऐसा क्षेत्र जहाँ वे पूजी जाएं, पर जांची ना जाएं। साध्वी बनना उस पावन छवि का माध्यम बन गया है, जो न किसी से प्रश्न करवाती है, न उत्तर देने को बाध्य करती है।

जब कोई साधारण महिला मानसिक थकावट से जूझती है, तो उसे "आराम करो", "खुद को समय दो" जैसा कहकर चुप करा दिया जाता है। पर जब कोई कहती है "मैं अब साध्वी बन गई हूँ", तो उसकी थकान को आध्यात्मिक महाकाव्य बना दिया जाता है। उसे मंच मिलता है, मीडिया का समर्थन मिलता है, और अनुयायियों की भीड़ बन जाती है। यह साध्वी अब माइक पर बोलती है – "मैंने सब त्याग दिया", पर त्यागने के बाद जो मिला – वह कोई सामान्य गृहिणी कभी नहीं पा सकती। वह प्रवचन देती है, लेकिन कभी स्त्री अधिकार, सामाजिक न्याय, या आर्थिक समानता की बात नहीं करती, क्योंकि यह विषय उसके स्वनिर्मित आध्यात्मिक क्षेत्र को असुविधाजनक बना सकते हैं। वह किसी सरकार से नहीं टकराती, किसी असमानता पर नहीं बोलती, बस ध्यान, मन, आत्मा और जीवन का चक्र रचती रहती है।

इसे ही हम कह सकते हैं – ह्लपरिष्कृत भोगह्व। यह ऐसा भोग है जो सीधे भौतिक वस्तुओं में नहीं, पर ध्यान, सत्ता, मान्यता और प्रतिष्ठा के माध्यम से प्राप्त होता है। यह वासना नहीं, लेकिन विख्याति की भूख जरूर है। इसमें श्रृंगार नहीं, परंतु आत्म-प्रदर्शन की आकांक्षा जरूर है। इसमें कोई व्यक्तिगत उत्तरदायित्व नहीं, पर सामूहिक नियंत्रण की छाया जरूर है।

समाज, विशेषकर पुरुष प्रधान मानसिकता, को यह भूमिका बेहद स्वीकार्य लगती है। उसे वह स्त्री नहीं चाहिए जो सवाल करे, विचार करे, संघर्ष करे। उसे चाहिए आज्ञाकारी साध्वी, जो धर्म की ओट में चुप रहे और शांतिपूर्ण अध्यात्म का चेहरा बने रहे।

गाजा पर इजराइल के हमले में दो पत्रकारों सहित 5 की मौत, इजराइल ने एक पत्रकार को बताया हमास का आतंकी

तेल अवीव। गाजा पर इजराइल के ताजा हमले में अल-जजीरा के दो पत्रकारों के साथ पांच लोगों की मौत हो गई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने हमले में मारे गए एक पत्रकार अनस अल शरीफ को हमास का आतंकी बताया है। दी येरुशलम पोस्ट के मुताबिक गाजा के अल-शिफा अस्पताल के पास इजराइल के ताजा हमले में दो पत्रकारों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें अल जजीरा के लिए काम करने वाले फिलिस्तीनी पत्रकार अनस अल शरीफ भी शामिल हैं। हमले के बाद इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बयान जारी कर दावा किया है कि अनस अल-शरीफ हमास के आतंकी सेल के प्रमुख के रूप में काम कर चुका था और इजराइली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ रॉकेट हमलों को आगे बढ़ाने में शामिल था।

नेतन्याहू ने गाजा में विदेशी पत्रकारों को अनुमति देने की योजना की घोषणा की

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करने के दौरान गाजा में अधिक विदेशी पत्रकारों को सेना के साथ रिपोर्टिंग करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की। उन्होंने इस मौके पर गाजा में जीत की अपनी रूपरेखा भी पेश की। हमास के खिलाफ 22 महीने से जारी युद्ध के दौरान गाजा में प्रवेश पर कड़ी पाबंदियां लगी रही हैं। 07 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह के हमले के बाद से इजराइल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अधिकांश विदेशी पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से गाजा में जाने से रोका है। अब तक कुछ चुनिंदा मीडियों को इजराइली सेना ने सुरक्षा अधिकारियों की सख्त निगरानी में पत्रकारों को एंबेड मिशनों पर गाजा ले गए हैं। नेतन्याहू ने कहा, हमने निर्णय लिया है और सेना को निर्देश दिया है कि विदेशी पत्रकारों को, बहुत से विदेशी पत्रकारों को, गाजा में लाया जाए। उन्होंने यह भी जोड़ा, सुरक्षा सुनिश्चित करने में समस्या है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिम्मेदारी और सावधानी के साथ, आपकी सुरक्षा बनाए रखते हुए यह किया जा सकता है।हालांकि, प्रधानमंत्री ने इस योजना के कार्यान्वयन को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

गाजा सिटी पर कब्जे की इजराइली योजना पर यूरोपीय देशों का कड़ा विरोध

मैड्रिड। स्पेन सहित आठ यूरोपीय देशों ने इजराइल की गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को लेकर कड़ा विरोध जताया है। इन देशों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत हो सकती है और लगभग दस लाख फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित होना पड़ सकता है। दरअसल, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा कैबिनेट ने गाजा सिटी पर नियंत्रण के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान की मंजूरी दी थी। इस फैसले के बाद इजराइल के भीतर और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। आठों देशों के विदेश मंत्रियों के संयुक्त बयान में कहा है कि यह निर्णय मानवीय संकट को और गहरा करेगा और शेष बंधकों के जीवन को और अधिक खतरे में डालेगा। बयान में अनुमान जताया गया कि इस अभियान से अस्वीकार्य स्तर पर नागरिक मौतें होंगी और लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर होंगे। विदेश मंत्रियों ने यह भी कहा कि गाजा सिटी पर कब्जा और सैन्य नियंत्रण, दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में एक »बड़ा अवरोध« साबित होगा, जो ही व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग है। इस बयान पर स्पेन के अलावा आइसलैंड, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, माल्टा, नॉर्वे, पुर्तगाल और स्लोवेनिया ने हस्ताक्षर किए हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इजराइल के कुछ सहयोगी देशों सहित कई शक्तियां बंधकों की रिहाई और गाजा में मानवीय संकट को कम करने के लिए वार्ता के जरिए युद्धविराम की अपील कर रही हैं।

लंदन में इजराइली बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर मार्च, मध्य पूर्व तनाव ने बढ़ाई ब्रिटेन में हलचल

लंदन। गाजा युद्ध के बीच ब्रिटेन में बढ़ते तनाव के माहौल में लंदन के मध्य क्षेत्र में इजराइली बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर लोगों ने मार्च किया। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास तक रैली निकालने की योजना के साथ आगे बढ़े। मार्च में हिस्सा लेने वालों में नोआ गुटमैन भी शामिल थीं, जो 24 वर्षीय बंधक एव्यातर डेविड की चचेरी बहन हैं। डेविड को पिछले सप्ताह हमास द्वारा जारी एक वीडियो में दिखाया गया था, जिसमें वे गाजा की सुरंग में अपनी ही कब्रनुमा खुदाई करते हुए बेहद कमजोर हालत में नजर आए। इस वीडियो ने इजराइल में गुस्सा भड़का दिया था। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर 2023 को हमास-नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने इजराइल पर हमले के दौरान 251 लोगों को अगवा किया था। इनमें से करीब 50 अब तक रिहा नहीं हुए हैं और अनुमान है कि 20 जीवित हैं।

इजराइल ने पिछले सप्ताह गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना की घोषणा की थी, जिसे युद्ध समाप्त करने और बंधकों को छुड़ाने की रणनीति का हिस्सा बताया गया। हालांकि, बंधकों के परिजन और कई अंतरराष्ट्रीय नेता इस योजना की आलोचना कर चुके हैं, उनका कहना है कि इससे और खून-खराबा होगा और बंधकों की जान पर खतरा बढ़ेगा।

काबुल में पानी का संकट गहराया, जिला 13 सबसे अधिक प्रभावित

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पानी का संकट गहरा गया है। राजधानी का जिला 13 सबसे अधिक प्रभावित है। यहां सुबह से शाम तक लोग पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते हैं। बचे-खुचे जल स्रोतों पर बच्चे-बूढ़े-जवानों की लंबी कतार लगी रहती है। तुलूअ न्यूज के अनुसार जिला 13 के निवासियों के लिए जिंदगी एक चुनौती बन गई है। हर किसी को पीने के पानी की एक घूंट की तलाश में सड़कों पर निकलना पड़ रहा है। सुबह से ही कतारें लग जाती हैं। हर कोई पानी खत्म होने से पहले अपने परिवार के लिए थोड़ा-बहुत पेयजल घर ले जाने की उम्मीद करता है। जिला 13 के निवासी यार मोहम्मद ने कहा, मैं हर रोज पांच बैरल पानी खरीदता हूं। पानी की खपत बहुत अधिक है। 1000 लीटर के पानी के एक बैरल की कीमत 1.1 डॉलर चुकानी पड़ रही है। इसी जिले के बशीर अहमद ने कहा, हम पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहते हैं। सरकार से हमारी विनती है कि वह इस ओर ध्यान दे। इस इलाके के एक नाबालिग लड़के मोहम्मद फैज ने कहा, मैं सुबह जल्दी आता हूं और 11 बजे तक पानी की व्यवस्था करता हूं। कभी हमारे बैरल भरे होते हैं, कभी खाली रहते हैं। पानी की समस्या पर जल प्रबंधन विशेषज्ञ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस चुनौती से निपटने के लिए सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और देश के नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। जल विशेषज्ञ नजीब रहमान सादिद ने कहा, पंजशीर जलग्रहण क्षेत्र से पानी स्थानांतरित करने जैसी परियोजनाएं मददगार हो सकती हैं। बगदरा बांध का काम जल्द पूरा होना चाहिए। ऊर्जा और जल मंत्रालय के प्रवक्ता मतिउल्लाह आबेद ने कहा, मंत्रालय की शाह वा अरोस बांध से काबुल तक पानी पहुंचाने की योजना है। इस्लामिक अमीरात की कैबिनेट ने प्रशासनिक कार्यालय के नेतृत्व में एक समिति गठित की है। इसमें संबंधित विभाग शामिल हैं और तकनीकी कार्य शुरू हो गया है। काबुल शहर को 22 जिलों में बांटा गया है। जिला 13 उनमें से एक है। तालिबान के काबुल के पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत जिला 13 में अनौपचारिक बस्तियों को बड़े पैमाने पर तोड़ा गया था।

यूनुस शासन में बांग्लादेश चरमपंथी और सांप्रदायिक ताकतों से तबाह हो रहा है: अवामी लीग

एजेंसी

ढाका। अवामी लीग ने सोमवार को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पार्टी ने कहा कि देश इस समय चरमपंथी, सांप्रदायिक और आतंकवादी ताकतों के साथ ही विदेशी एजेंटों की खतरनाक गतिविधियों से गंभीर खतरे और तबाही की स्थिति में है। पार्टी ने कहा कि बांग्लादेश में मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संकटपर काबू पाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में 21 मांगें पेश की गई हैं।

भयानक संकट की ओर इशारा करते हुए पार्टी ने कहा कि बांग्लादेश, जिसे बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व में हुए मुक्ति संग्राम के बाद बनाया गया था, आज चरमपंथी, सांप्रदायिक और आतंकवादी ताकतों के हमलों से बुरी तरह प्रभावित है।

पार्टी ने कहा कि देश अब संकट में है और युद्ध के मैदान जैसी स्थिति में पहुंच चुका है- घायल और खून से लथपथ जमीन बन गया है। अवामी लीग ने कहा, देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है, मानवाधिकारों का लगातार हनन हो रहा है, मीडिया की आजादी छिन ली गई है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा, हमले और बलात्कार जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। आम लोगों का जीवन और संपत्ति सुरक्षित नहीं है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है।

तुर्की में 6.1 तीव्रता का भूकंप, एक व्यक्ति की मौत

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण (एएफएडी) के अनुसार, यह भूकंप रविवार शाम 7 बजकर 53 मिनट पर सिंदिरगी जिले में आया। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि 81 साल के एक बुजुर्ग को बचाने के बाद उनकी मौत हो गई। कई लोग घायल हुए और 15 से ज्यादा इमारतें गिर गईं। एनटीवी प्रसारक पर दिखाए गए फुटेज में मलबे में तब्दील एक इमारत दिखाई दे रही है, जिसके मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्री येरलिकाया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह झटका इस्तांबुल और आसपास के इलाकों में भी महसूस हुआ। इसके बाद एएफएडी और सभी संबंधित एजेंसियों ने तुरंत मौके पर जाकर जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा, «फिलहाल, किसी भी प्रतिकूल स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं है, और हम घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं। तुर्की मीडिया द्वारा प्रसारित तस्वीरों के अनुसार, भूकंप के बाद बालिकेसिर प्रांत में कई इमारतें ढह गईं। इससे पहले, 3 अगस्त को भी प्रशांत महासागर में रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर 6.8 तीव्रता का झटका महसूस किया गया था। यह भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 5 बजकर 37 मिनट पर आया था। यह क्षेत्रीय राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 277 किलोमीटर दूर, 26 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) के अनुसार, इससे पहले रूस के कुरील द्वीप समूह में 7 की तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप की तीव्रता 7.0 मापी और पुष्टि की है कि भूकंप के बाद कोई सुनामी चेतावनी जारी नहीं की गई थी। यह भूकंप कुरील द्वीप समूह के पूर्व में रात दर्ज किए गए 6.2 तीव्रता के एक और भूकंप के बाद आया था। यह भूकंपीय गतिविधि 30 जुलाई को आए 8.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद हुई थी, जो अब तक दुनिया भर में दर्ज किए गए छठे सबसे शक्तिशाली भूकंप के बराबर है।

पाकिस्तान में 22 दिन से खुंजेराब दर्रे के रास्ते चीन के बीच व्यापार और यात्रा बाधित

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्तिस्तान के काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) पर चल रहे धरने के कारण लगातार 22वें दिन खुंजेराब दर्रे के रास्ते पाकिस्तान और चीन के बीच यात्रा और व्यापार बाधित रहा। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच गतिरोध जारी है।

नींद से जागी संघीय सरकार ने समस्या के समाधान के लिए आनन-फानन में सोमवार को बैठक आहूत की है। डान अखबार की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघीय समिति का गठन किया है। समिति इस मुद्दे के समाधान के लिए आज बैठक करेगी। गिलगित-बाल्तिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान, मुख्य सचिव अबरार अहमद मिर्जा, पीपीपी अध्यक्ष अमजद हुसैन एडवोकेट, पूर्व मुख्यमंत्री और पीएमएल-एन अध्यक्ष हफीजुर रहमान को भी समिति में शामिल किया गया है। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान और चीन के बीच व्यापार और यात्रा, साथ ही सोस्ट ड्राई पोर्ट पर व्यावसायिक गतिविधियां पिछले 22 दिनों से बंद हैं। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी आहूत विरोध प्रदर्शन को व्यापारिक संगठनों, स्थानीय सरकार, विपक्षी दलों और क्षेत्र के धार्मिक समूहों का समर्थन प्राप्त है। इस मामले को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान के प्रसास से गठित एक समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के आयोजकों से मुलाकात की। उन्होंने मुद्दों पर चर्चा की और प्रधानमंत्री की समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशें तैयार कीं। प्रदर्शनकारियों ने समिति को दो सूत्री एजेंडा दिया है। उन्होंने खुंजेरब दर्रे के माध्यम से चीन से आयातित वस्तुओं पर राज्य के निवासियों को आयकर, बिक्री कर और अन्य संघीय करों से छूट और एकमुश्त माफी योजना की मांग की है।

पाकिस्तान से एक दिन में 300 परिवार और 350 कैदी अफगानिस्तान भेजे गए

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान से एक दिन में 300 परिवारों और 350 कैदियों को अफगानिस्तान भेजा गया है। पाकिस्तान से निर्वासित किए गए इन लोगों की पीड़ा यह है कि उनका सारा सामान वहीं छूट गया है। अफगानिस्तान पहुंचे इन लोगों को उनके संबंधित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है। अफगानिस्तान के तुलूअ न्यूज के अनुसार, नांगरहार के अधिकारियों का कहना है कि आवश्यक सहायता प्रदान करने के बाद निर्वासित लोगों को उनके गृह क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। तोरखम में प्रवासी परिवहन प्रमुख बख्त जमाल गोहर ने कहा, पिछले 24 घंटों में 300 परिवारों को वापस भेजा गया है। इसके अलावा पाकिस्तान ने 350 कैदियों को हमें सौंपा है। इनमें निर्वासित लोगों के 20 परिवार शामिल हैं। इनके पास कानूनी दस्तावेज भी हैं। इन प्रवासियों और निर्वासित लोगों को परिवहन समिति ने उनके संबंधित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया है। बख्त जमाल गोहर ने कहा कि कुछ निर्वासित व्यक्ति इस्लामिक अमीरात और अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों से अधिक सहायता प्रदान करने की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान से निर्वासित एजाजुल हक ने कहा, हमारा सारा सामान वहीं छूट गया। मैं अपने साथ केवल एक गद्दा और एक बिस्तर लाया था। एक अन्य निर्वासित शरबत खान ने कहा, 40 साल बाद हम अपने वतन लौट आए हैं। हम खुश हैं, लेकिन सहायता के अलावा हमें जमीन भी चाहिए। बताया गया है कि कुनार के नारी जिले के 50 वर्षीय निवासी अब्दुल्ला को तीन दशक तक पाकिस्तान में रहने के बाद जबरन निर्वासित किया गया है। उनके तीन विकलांग बेटे हैं और उन्हें आठ दिन पहले पाकिस्तान पुलिस ने निर्वासित किया है। अब्दुल्ला ने कहा, मैं मजदूरी कर रहा था। वे अचानक आए, मुझे गिरफ्तार कर निर्वासित कर दिया। मेरे तीन बच्चे विकलांग हैं और बाकी तीन स्वस्थ हैं। उन्हें भी कल निर्वासित कर दिया गया। अब्दुल्ला के बेटे शरीफुल्लाह ने कहा, हमें अपने पिता के बारे में कोई खबर नहीं थी। हमने थानों के चक्कर लगाए, तब पता चला कि हमारे पिता को निर्वासित कर दिया गया है।

पाकिस्तान के वजीरिस्तान में सैनिकों पर हमला, एक जवान की मौत, जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वजीरिस्तान में सैनिकों की टुकड़ी पर घात लगाकर किए गए हमले में एक जवान की मौत हो गई। इस दौरान सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। डान अखबार की वेबसाइट में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से यह खबर आज सुबह प्रसारित की गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, सैनिकों की टुकड़ी उत्तरी वजीरिस्तान के शावल मर्राह इलाके से ऊपरी दक्षिणी वजीरिस्तान के सिरनाराई इलाके में आगे बढ़ रही थी। तभी घात लगाकर बैठे आतंकवादियों ने अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस गोलीबारी में जवान नवीद की मौत हो गई। नायक अमजद, सिपाही अबू बकर, सिपाही सियाम, सिपाही नासिर और सिपाही शौकत घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तान की सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान जारी नहीं किया है। घायल जवानों को इलाज के लिए रजमाक स्थित एक सैन्य केंद्र में पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इलाके में सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर की गोलीबारी में मारे गए युवक के रिश्तेदारों पर मुकदमा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थानीय पुलिस ने 18 जुलाई को फ्रंटियर कोर (एफसी) की कथित गोलीबारी में मारे गए युवक की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शन के सिलसिले में अब पीड़ित रिश्तेदारों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। रिश्तेदारों ने चगाई में विरोध प्रदर्शन कर अंतिम संस्कार वाहन के चालक शाह डार की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर में दावा किया गया है कि 18 जुलाई को शाह डार पुत्र अमानुल्लाह की चगाई जिले के नोकुंडी इलाके में एफसी की गोलीबारी में मौत हो गई थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों और शाह डार के के परिवार व रिश्तेदारों ने विरोध प्रदर्शन किया था। शव को बाब उमर चौक पर रख कर जाम लगा दिया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि युवक की हत्या में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। लेकिन पुलिस ने बल के अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और अब प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस और एफसी पर हमले के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने मामले में कई लोगों को नामजद किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 18 जुलाई को शाह डार की मौत के बाद एफसी ने उसके शव को अपने कब्जे में ले लिया था। परिजनों को शव के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई। यह विरोध प्रदर्शन इसी वजह से हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर हवा में गोलियां भी चलाईं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी।

आईडीएफ ने आतंकवाद के आरोप में एक पत्रकार की हत्या की, कहा, 'प्रेस बैज आतंकवाद के लिए ढाल नहीं है'

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सोमवार को पुष्टि की कि गाजा में एक हमले में अल जजीरा के पत्रकार अनस अल-शरीफ की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि वह 'हमास में एक आतंकवादी सेल का प्रमुख' था और चेतावनी दी कि 'प्रेस आतंकवाद के लिए ढाल नहीं है।' अल-शरीफ अपने साथियों, इब्राहिम जहीर, मोमेन अलीवा और मोहम्मद नौफल, के साथ मारा गया। एक बयान में, सेना ने कहा, «ल-शरीफ हमास के एक आतंकवादी समूह का प्रमुख था, और उसने इजरायली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों पर रॉकेट हमले किए थे। गाजा से मिली खुफिया जानकारी और दस्तावेज में रोस्टर, टेररिस्ट ट्रेनिंग लिस्ट और वेतन रिकॉर्ड शामिल हैं। यह साबित करते हैं कि वह अल जजीरा से जुड़ा एक हमास कार्यकर्ता था। आईडीएफ ने आगे कहा कि अक्टूबर में उसने गाजा में जब्त की गई सामग्री प्रकाशित की थी, जिससे अल-शरीफ के हमास से सैन्य संबंध की स्पष्ट रूप से पुष्टि हुई थी। सेना ने आगे कहा, ये दस्तावेज एक बार फिर उसकी आतंकवादी गतिविधि की पुष्टि करते हैं, जिसे अल जजीरा ने नकारने की कोशिश की। इजरायली सेना ने कहा कि जब्त किए गए दस्तावेजों में कर्मियों की टेबल्स, टेररिस्ट ट्रेनिंग कोर्स की लिस्ट, टेलीफोन डायरेक्टरी और सैलरी रिकॉर्ड शामिल हैं, जो स्पष्ट रूप से साबित करते हैं कि वह गाजा पट्टी में हमास आतंकवादी संगठन के लिए एक आतंकवादी के रूप में काम करता था। उन्होंने दावा किया कि इन दस्तावेजों से यह भी पता चलता है कि आतंकवादी का कतर के मीडिया नेटवर्क अल जज़ीरा में जुड़ाव था। इजरायल ने कहा कि हमले से पहले, नागरिक हताहतों की संख्या कम करने के लिए सटीक हथियारों का इस्तेमाल, हवाई निगरानी और अतिरिक्त खुफिया आकलन जैसे उपाय किए गए थे। अल-शरीफ अपनी मौत से पहले सोशल मीडिया पर एक्टिव थे और गाजा में इजरायली बमबारी के बारे में एक्स पर पोस्ट कर रहे थे। उनकी मौत की खबर आने के बाद, उनके सहयोगियों ने उनके अकाउंट से एक पहले से लिखा हुआ संदेश पोस्ट किया, जिसमें लिखा था: अगर मेरे ये शब्द आप तक पहुँचें, तो जान लें कि इजरायल मुझे मारने और मेरी आवाज़ को खामोश करने में कामयाब हो गया है।

अमेरिकी धरती से पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत को परमाणु बम की गीदड भभकी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान गीदड़ भभकी देने से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख और स्वयंभू फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत के खिलाफ परमाणु हमले की धमकी दी है। मुनीर इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं और फ्लोरिडा के टाम्पा स्थित ग्रैंड हयात होटल में एक डिनर के दौरान उन्होंने यह विवादित बयान दिया। डिनर में मौजूद पाकिस्तानी कारोबारी अदनान असद और अन्य मेहमानों के सामने मुनीर ने कहा कि यदि भारत के साथ जंग में पाकिस्तान का अस्तित्व खतरे में आया, तो आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सिंधु नदी भारतीयों की खानदानी संपत्ति नहीं है और पाकिस्तान के पास मिसाइलों की कोई कमी नहीं है। मुनीर ने आरोप लगाया कि भारत ने सिंधु जल समझौते का उल्लंघन कर 25 करोड़ लोगों को भूख और प्यास के खतरे में डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान भारत के बांध बनने का इंतजार करेगा और जब बांध तैयार हो जाएगा, तब उसे मिसाइलों से उड़ा देगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत पर किसी भी तरह का परमाणु हमले की धमकी से डरने वाला नहीं है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय संसद और अनेक मंचों से बार बार दोहरा चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है, स्थगित किया गया है।

शेख हसीना सहित 47 लोगों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों में अधिकारियों के बयान दर्ज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के तीन अधिकारियों ने राजुक पुर्बाचल न्यू टाउन परियोजना के भूखंडों के आवंटन में धांधली को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 47 लोगों के खिलाफ दायर तीन मामलों में आज अदालत के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए। इसके बाद कोर्ट ने तीनों मामलों की सुनवाई 26 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के उप निदेशक सलाहुद्दीन, सहायक निदेशक अफनान जन्नत केया और एसएम रशीदुल हसन के बयान ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-5 में दर्ज किए गए। न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने इसके बाद तीनों मामलों की सुनवाई 26 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने 31 जुलाई को इन मामलों में आरोप तय करते हुए आरोपितों के फरार होने के कारण उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए थे। इस अदालत के अलावा ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-4 ने 31 जुलाई को इसी संबंध में दर्ज तीन अन्य मामलों में आरोप तय किए थे। 20 जुलाई को ढाका मेट्रोपॉलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने मामलों को विशेष न्यायाधीश की अदालत में भेजा था। इससे पहले पहली जुलाई को अदालत ने इन मामलों में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय सहित 100 लोगों को तलब करते हुए एक राजपत्र अधिसूचना प्रकाशित करने का आदेश दिया था।एसीसी ने 12 जनवरी से 14 जनवरी तक छह मामले दर्ज किए हैं। संबंधित जांच अधिकारियों ने 10 मार्च को आरोप पत्र दाखिल किए। एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन ने 14 जनवरी को शेख हसीना समेत आठ लोगों के खिलाफ पूर्वांचल न्यू टाउन परियोजना में 10 कट्ठा प्लॉट आवंटित करने में सत्ता का दुरुपयोग करने का मामला दर्ज कराया। जांच अधिकारी और एसीसी की सहायक निदेशक अफनान जन्नत केया ने 10 मार्च को कुल 12 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी के सहायक निदेशक एसएम रशीदुल हसन ने इसी सिलसिले में 10 मार्च को शेख हसीना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय समेत 15 लोगों के खिलाफ दूसरा मामला दर्ज कराया। उन्होंने 10 मार्च को 17 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन ने 13 जनवरी को शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना, रेहाना के बेटे रदवान मुजीब सिद्दीक और बेटियों ट्यूलिप सिद्दीक और अजमीना सिद्दीक समेत 15 लोगों के खिलाफ राजुक से प्लॉट हासिल करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करने का एक और मामला दर्ज कराया। बाद में एसीसी ने 17 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी ने उसी दिन शेख हसीना, ट्यूलिप सिद्दीक और अजमीना सिद्दीक सहित 16 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। बाद में एसीसी ने 18 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। उसने 13 जनवरी को रादवान मुजीब सिद्दीक और 15 अन्य के खिलाफ भी एक और मामला दर्ज किया। इस मामले में एसीसी ने 18 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। एसीसी की सहायक निदेशक अफनान जन्नत केया ने 12 जनवरी को शेख हसीना और साइमा वाजेद पुतुल सहित 16 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। एसीसी ने इस मामले में 18 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया।

पटेल रिटेल लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 237-255 रुपये प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली। सुपरमार्केट श्रृंखला पटेल रिटेल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 19 अगस्त को खुलकर 21 अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ के लिए कंपनी ने मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 237-255 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि निवेशक इसमें 21 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। वहीं, बड़े (एंकर) निवेशकों के लिए बोली की लगाने की प्रक्रिया 18 अगस्त को होगी। इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 237-255 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक कम से कम 58 इक्विटी शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, और इसके बाद 58 के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है। पटेल रिटेल लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ के तहत 85.18 लाख नए शेयर और प्रवर्तकों के 10.02 लाख शेयरों की बिक्री होगी। प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स ये शेयर बेचेंगे। इसमें पात्र कर्मचारियों के लिए रिजर्वेशन भी शामिल है। इसमें कर्मचारियों को आईपीओ में 20 रुपये प्रति शेयर की छूट दी जाएगी। कंपनी आईपीओ से जुटाए पैसों में से 59 करोड़ रुपये तक का इस्तेमाल पटेल रिटेल लिमिटेड के कुछ कर्जों का पूरा या आंशिक भुगतान/पूर्व-भुगतान के लिए करेगी।

बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली/मेहसाणा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। मल्होत्रा ने कहा कि यह आरबीआई के नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। आरबीआई के गवर्नर ने गुजरात के मेहसाणा जिले की गोजरिया ग्राम पंचायत में आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियानपर एक समारोह में पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह बात कही। मल्होत्रा ने एक निजी क्षेत्र के बैंक की ओर से बचत खातों के लिए आवश्यक न्यूनतम शेष राशि बढ़ाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, आरबीआई ने यह निर्णय प्रत्येक बैंक पर छोड़ दिया है कि वे कितना न्यूनतम शेष निर्धारित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बैंकों ने बचत खातों के लिए 10,000 रुपये न्यूनतम शेष राशि रखा है, जबकि कुछ ने 2,000 रुपये रखा है। वहीं, कुछ बैंकों ने (ग्राहकों को) इसकी छूट दी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि यह (आरबीआई के) नियामक क्षेत्राधिकार में नहीं है। इससे पहले बैंकिंग हितधारकों की पैरोकारी करने वाली एक नागरिक संस्था ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर आईसीआईसीआई बैंक के बचत खातों में न्यूनतम जमा राशि बढ़ाने का विरोध किया था। नागरिक संस्था बैंक बचाओ देश बचाओ मंच ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में आईसीआईसीआई बैंक के इस फैसले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने हाल ही में 1 अगस्त से खोले जाने वाले नए बचत खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता को पांच गुना बढ़ा दिया था।

अडानी डिफेंस एमआरओ सेवा प्रदाता इंडैमर टेक्निक्स का करेगी अधिग्रहण

अहमदाबाद। अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एडीएसटीएल) ने निजी क्षेत्र की एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहालिंग) सेवा प्रदाता कंपनी इंडैमर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड (आईटीपीएल) में शत-प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक निर्णायक समझौता किया है। अडानी डिफेंस ने बताया कि उसने अपनी इकाई होराइजन एयरो सॉल्यूशंस लिमिटेड के माध्यम से और प्राइम एयरो सर्विसेज एलएलपी के साथ साझेदारी में यह समझौता किया है। होराइजन अभी अडानी डिफेंस और इंडैमर टेक्निक्स के निदेशक प्रजय पटेल के स्वामित्व वाली कंपनी प्राइम एयरो के बीच 50-50 की साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम है। नागपुर में मिहान विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) में रणनीतिक रूप से स्थित आईटीपीएल ने 30 एकड़ की भूमि पर एक अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा में 10 हैंगरों में 15 विमान के रखने की क्षमता है। आईटीपीएल को भारत के विमानन नियामक डीजीसीए, अमेरिकी नियामक एफएए और अन्य वैश्विक नागरिक उड्डयन नियामकों द्वारा अनुमोदित किया गया है। कंपनी प्रमुख भारतीय और वैश्विक ग्राहकों को लीज़ रिटर्न चेक, हेवी सी-चेक, स्ट्रक्चरल रिपेयर और एयरक्राफ्ट पेंटिंग सहित एमआरओ सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करती है।

सोने पर टैरिफ को लेकर ट्रंप ने अटकलों पर लगाया विराम, दिया बड़ा बयान

वाशिंगटन। सोने पर संभावित टैरिफ को लेकर चल रही अटकलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विराम लगा दिया है। उन्होंने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि उनकी सरकार का फिलहाल सोने पर टैरिफ लगाने का कोई इरादा नहीं है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि सरकार चीन से आने वाले सोने पर भारी शुल्क लगाने की योजना बना रही है। इस खबर के बाद सोने के वैश्विक बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया था, लेकिन ट्रंप के इस स्पष्टीकरण से बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि सोने को एक सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जाता है और वह इस बाजार को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करना चाहते हैं। उनका यह बयान निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है।

संसद ने मणिपुर बजट और राज्य जीएसटी संशोधन विधेयक को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद ने मणिपुर बजट तथा मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संशोधन विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने मणिपुर के बजट और संबंधित (संख्या 2) विधेयक, 2025 तथा मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक, 2025 पर संयुक्त चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इन्हें लोकसभा को लौटा दिया दिया। लोकसभा इन्हें पिछले हफ्ते पहले ही पारित कर चुकी है।केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज?यसभा में इन विधेयकों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मणिपुर, उसका बजट, उसका कर राजस्व, जीएसटी में उसकी भागीदारी राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सीतारमण ने कहा कि पहले राज्य के लिए लेखा अनुदान लाया गया था, लेकिन यह पूर्ण बजट है। वित्त मंत्री ने कहा कि विपक्ष ने पहले मणिपुर के मामले में बहुत रुचि दिखाई थी,

लेकिन आज जब मणिपुर के लोगों को उनका पैसा मिलने जा रहा है, तो उन्हें (विपक्ष को) इसकी अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष के सदस्यों से चर्चा में भाग लेने को कहा। सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मणिपुर के लिए 2898 करोड़ रुपये का बजट बनाया गया है। इसमें से 1667 करोड़ रुपये पूंजीगत खाते में व्यय होंगे, जिसका अर्थ है कि परिसंपत्तियों का निर्माण होगा और रोजगार का सृजन होगा, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था पटरी पर आएगी। सीतारमण ने कहा कि 1231 करोड़ रुपये राजस्व सहायता पर व्यय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत आतंरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास में जो तत्काल जरूरतें हैं, उनको पूरा करने के लिए 523 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे पहले केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2025 दोनों विधेयकों को एक साथ राज्यसभा में विचारार्थ और वापसी के लिए प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने बजट (मणिपुर), 2025-26 को भी चर्चा के लिए प्रस्तुत किया। राज्यसभा ने इन विधेयकों मणिपुर विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2025 और मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 लौटा दिया।

निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में संशोधित आयकर विधेयक, 2025 पेश किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में नए आयकर विधेयक, 2025 का संशोधित संस्करण पेश किया। इस विधेयक में बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशें शामिल हैं, जो मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 को प्रतिस्थापित करेगा। दरअसल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए आयकर विधेयक, 2025 को वापस ले लिया था, जिसे 13 फरवरी को लोकसभा में मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर वित्त मंत्री ने पेश किया था। संशोधित आयकर विधेयक, 2025 में भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशों को शामिल किया गया हैं। प्रवर समिति ने आयकर विधेयक के लिए 285 सुझाव दिए थे। आयकर विधेयक, 2025 को भारत की कराधान प्रणाली को अद्यतन और सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो 60 वर्षों से अधिक समय से लागू

कानूनों की जगह लेगा। इसमें एक संशोधित संरचना, डिजिटल कराधान के प्रावधान, विवादों के समाधान की प्रणालियां और तकनीकी एवं डेटा-संचालित तरीकों के जरिए कर संग्रह का विस्तार करने की पहल शामिल है।

हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और मैनेजमेंट कंपनी हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 117 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 115 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 67 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 122.84 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 75 प्रतिशत से अधिक का मुनाफ हो चुका है। हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर का 130 करोड़ रुपये का आईपीओ 5

से 7 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 316.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 432.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 473.10 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 164.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 97.52 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 46.40 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

लोकसभा ने नए आयकर विधेयक को किया पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने संशोधित नया आयकर विधेयक- 2025 और कराधान विधियां (संशोधन) विधेयक-2025 को पारित कर दिया है। केंद्रीय वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसका संशोधित संस्करण पेश किया, जिसके तुरंत बाद आयकर (संख्या 2) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी गई। ये विधेयक मौजूदा 1961 आयकर अधिनियम का स्थान लेने वाला है। यह विधेयक अब राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करने से पहले राज्यसभा में जाएगा। यह नया आयकर कानून 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। आइए जानते हैं इसके कानून बन जाने से करदाताओं को क्या-क्या लाभ होगा। वित्त मंत्री ने भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की करीब सभी सिफारिशों को शामिल करने के बाद संशोधित आयकर विधेयक- 2025 पेश किया। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कानूनों को समेकित और संशोधित करना है। इसके साथ ही लोकसभा ने कराधान विधि (संशोधन) विधेयक- 2025 को पारित कर दिया है, जिससे एकीकृत पेंशन योजना के अंशदाताओं को कर छूट प्रदान करने के लिए आयकर अधिनियम, 1961 और वित्त अधिनियम, 2025 में संशोधन का रास्ता आसान होगा।लोकसभा में पारित संशोधित नए आयकर विधेयक, 2025 के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में कहा गया है, प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। इसके अतिरिक्त हितधारकों से ऐसे बदलावों के बारे में सुझाव प्राप्त हुए हैं जो प्रस्तावित कानूनी अर्थ को और अधिक सटीक रूप से व्यक्त करेंगे। इसमें पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को प्रतिस्थापित किया जाएगा, जिससे कर कानून को समेकित और सरल बनाया जाएगा। इसमें 23 अध्यायों में 536 धाराएं भी होंगी, जो 800 से अधिक धाराओं से एक महत्वपूर्ण कमी है। इस कानून में स्पष्टता में सुधार, प्रारूपण में सुधार, वाक्यांशों को संरेखित करने और परस्पर संदर्भों को बेहतर बनाने के लिए प्रवर समिति की 285 सिफ़ारिशें (32 प्रमुख परिवर्तनों सहित) शामिल हैं। मानव हस्तक्षेप को कम करने, पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए मूल्यांकन और अनुपालन प्रक्रियाएं फेसलेस और डिजिटल-प्रथम होंगी। कर अधिकारियों को कार्रवाई करने से पहले पूर्व सूचना जारी करनी होगी व प्रतिक्रियाओं पर विचार करना होगा। बिना किसी जुर्माने के आईटीआर की समय सीमा के बाद भी टीडीएस रिफंड की अनुमति देता है और गैर-देय करदाताओं के लिए अग्रिम शून्य-टीडीएस प्रमाणपत्रों का प्रावधान करता है। गृह संपत्ति आयः अब धाराएं स्पष्ट करती हैं कि नगरपालिका करों में कटौती के बाद 30 फीसदी की मानक कटौती लागू होती है और किराए पर दी गई संपत्तियों के लिए निर्माण-पूर्व ब्याज की अनुमति है, पांच वर्षों में ब्याज की अनुमति है। इसके अलावा परिवर्तित पेंशन (एलआईसी पेंशन फंड या एनपीएस जैसी विशिष्ट पेंशन योजनाओं से एकमुश्त भुगतान): अब पूरी तरह से कर-कटौती योग्य, पिछली अस्पष्टताओं का समाधान शामिल है।

बीएसएनएल ने 5जी और डिजिटल तकनीकों में कौशल विकास के लिए वैश्विक कंपनियों से समझौता किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने चार वैश्विक तकनीकी कंपनियों एरिक्सन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज इंक., सिस्को सिस्टम्स और नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

इन समझौतों का उद्देश्य भारत के डिजिटल परिवर्तन को तेज करना और कौशल विकास तंत्र को मजबूत बनाना है। इसके तहत बीएसएनएल के जबलपुर स्थित शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान, भारत रत्न भीमराव आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग (बीआरबीआरएआईटीटी) में

5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग, नेटवर्किंग और डिजिटल तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

यह पहल दूरसंचार विभाग (डीओटी) की उस व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत बीआरबीआरएआईटीटी में टेलीकॉम इनोवेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (टीआईआरटीसी) स्थापित किया जाएगा। इसे उद्योग-नेतृत्व वाले राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जो दूरसंचार क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण पर केंद्रित होगा। यह केंद्र प्रधानमंत्री के 'स्किल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, दूरसंचार सचिव डॉ. नीरज मित्तल, बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारी और भागीदार कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समझौते पर बीएसएनएल के प्रबंध निदेशक ए. रॉबर्ट जे. रावी ने हस्ताक्षर किए। उनके साथ नोकिया इंडिया के कंट्री हेड तरुण छाबड़ा, सिस्को के एमडी हरीश कृष्णन, एरिक्सन इंडिया के एमडी नितिन बंसल और क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष सवी सोनी शामिल थे।

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया। मंत्री रेड्डी ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करेगा।

संसद में पेश खनन कानूनों में संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए राज्य वित्त पोषण को सक्षम बनाना है। सरकार का लक्ष्य इसके जरिए लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा तत्वों सहित बेहद जरूरी खनिजों की निरंतर और बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जो परमाणु ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, दूरसंचार और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। अभी इन खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर मुख्य रूप से चीन का प्रभुत्व है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर रहा है। सोना आज 800 रुपये से 880 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,400 रुपये से लेकर 1,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,950 रुपये से लेकर 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। ,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

स्टॉक मार्केट में बीएलटी लॉजिस्टिक्स की जोरदार एंट्री, मजूबत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कंटेनर के जरिये ढुलाई करने और वेयर हाउस सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी बीएलटी लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 75 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 21.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 90.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 95.49 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 27.32 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।बीएलटी लॉजिस्टिक्स का 9.72 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 560.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,017.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 637.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12.96 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए ट्रक और एंसिलरी इक्विपमेंट की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 22.68 प्रतिशत उछल कर 3.84 करोड़ रुपये और टोटल इनकम 21.36 प्रतिशत उछल कर 49.43 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान कंपनी पर कर्ज भी 13.56 प्रतिशत बढ़कर 13.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अकासा एयर थाईलैंड के लिए शुरू करेगी दैनिक उड़ान

नई दिल्ली। विमान सेवा कंपनी अकासा एयर अगले महीने थाइलैंड के लिए दैनिक उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने बताया कि वह 20 सितंबर से मुंबई से थाईलैंड के फुकेट के लिए सीधी उड़ान शुरू करने वाली है। यह दक्षिण पूर्व एशिया के लिए उसके नेटवर्क में पहला और कुल मिलाकर छठा अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य होगा। इसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। फुकेट एक लोकप्रिय अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य है, खासकर अपने समुद्र तटों और जीवंत संस्कृति के लिए। मुंबई से फुकेट की उड़ान क्यूपी 0618 सुबह 7.45 बजे रवाना होगी और स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद 2.35 बजे वहाँ पहुँचेगी। वापसी की उड़ान क्यूपी 0619 स्थानीय समय के अनुसार 3.35 बजे फुकेट से रवाना होकर रात 7.15 बजे मुंबई में उतरेगी। अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी प्रवीण अय्यर ने कहा कि इस उड़ान के साथ एयरलाइंस न सिर्फ आज के समय के भारतीय पर्यटकों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है बल्कि थाईलैंड और भारत के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को भी मजबूती प्रदान कर रही है। अकासा एयर की सह-संस्थापक नीलू खत्री ने कहा कि थाईलैंड लंबे समय से भारतीय पर्यटकों की पसंद रहा है और वहाँ के लिए किफायती यात्रा की माँग लगातार बढ़ रही है।

शेयर बाजार के प्रति बढ़ा लोगों का रुझान, डीमैट अकाउंट्स की संख्या 20 करोड़ के पार पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में तेजी आने के कारण जुलाई महीने में देश में डिमैट अकाउंट्स की संख्या 20 करोड़ के स्तर को भी पार कर गई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई महीने में 29.80 लाख नए डिमैट अकाउंट खोले गए। इसके कारण डिमैट अकाउंट्स की कुल संख्या बढ़कर 20.21 करोड़ के स्तर पर आ गयी है। शेयर बाजार के निवेशकों की संख्या का अनुमान डिमैट अकाउंट्स की संख्या के आधार पर लगाया जाता है। डिमैट अकाउंट के जरिए ही कोई निवेशक शेयर बाजार में खरीद-बिक्री कर सकता है या अपने खरीदे हुए शेयरों को सुरक्षित रख सकता है। इसलिए शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों की संख्या जितनी बढ़ेगी, उतना ही डिमैट अकाउंट्स की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। जुलाई में 29.80 लाख नए डिमैट अकाउंट खुलने की बात

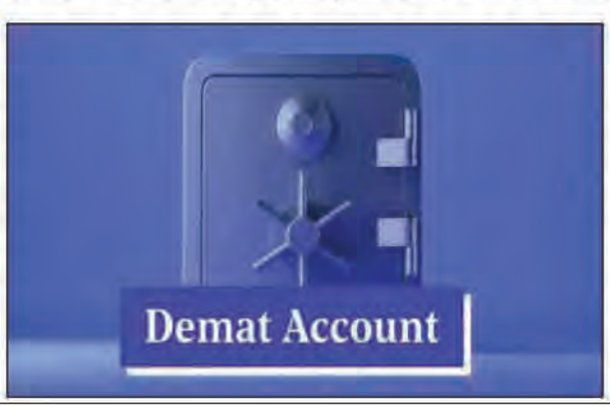

इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि जुलाई महीने में शेयर बाजार में लगातार उठा पटक होता रहा। इसमें ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। जुलाई के पहले जून महीने में सिर्फ 2.52 लाख नए डिमैट अकाउंट खोले गए थे। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि प्राइमरी मार्केट में बड़ी हलचल की वजह से डिमैट अकाउंट के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। शेयर बाजार में निवेश प्राइमरी और सेकेंडरी दोनों मार्केट के जरिए होता है। फिलहाल पहले से लिस्टेड शेयरों की खरीद-बिक्री करने वाले सेकेंडरी मार्केट को छोटे निवेशक ओवर वैल्यूड मान रहे हैं। ऐसे निवेशक आईपीओ में निवेश करके प्राइमरी मार्केट के जरिये शेयर बाजार में अपना पैसा लगा रहे हैं।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि प्राइमरी मार्केट में जुलाई महीने में हलचल काफी तेज हुई। इसकी वजह से बड़ी संख्या में नए ने लोगों ने डिमैट अकाउंट खुलवाकर शेयर बाजार में निवेश करने का रास्ता अपनाया शेयर बाजार में एक्टिव होने के लिए ऐसे निवेश को ने प्रायमरी मार्केट में आईपीओ के जरिए अपनी एंट्री की। खुराना का मानना है कि फिलहाल ज्यादातर आईपीओ अच्छे वैल्यूएशन के साथ लॉन्च किया जा रहे हैं। इससे नए निवेशकों को सेकेंडरी मार्केट की तुलना में प्राइमरी मार्केट ज्यादा पसंद आ रहा है। इसी वजह से जुलाई महीने में डिमैट अकाउंट्स की संख्या में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

संसद और हमारा लोकतंत्र

सदन कोई एक पार्टी नहीं चलाती , वह सबका साझा मंच है। इसीलिए उसका महत्व सरकार से भी ज्यादा है। लेकिन संसदीय लोकतंत्र का इस्तेमाल हमारी राजनैतिक पार्टियां यह दिखाने के लिए कर रही हैं कि कौन उसको किस तरह से बंधक बनाए रख सकता है। जब विपक्ष सदन नहीं चलने देता और जब सत्ता पक्ष ध्वनि मत से अपने बिल पास कराता है , तो दोनों यही कर रहे होते हैं। सदन का काम विधायी है।

गनीमत है कि संसद कुछ घंटे तो चलती है। अन्यथा आए दिनलोकतंत्र का जो संसदीय नजारा विभिन्न टीवी चैनलों के माध्यम से जनता के सामने आता है , वह बहुत उत्साह नहीं जगाता। सदन में कैमरा घूमता है तो अक्सर कोई न कोई माननीय ऊंघते नजर आते हैं।कुछ सांसद सीट छोड़ कर उठ खड़े होने , शोर मचाने और वेल की तरफ बढ़ने के लिए ऐसे तत्पर दिखाई देते हैं , मानो उनकी इसी के लिए ड्यूटी लगाई गई हो। सरकार के वरिष्ठ मंत्री आते हैं तो अपना वक्तव्य देते समय इस कदर गफलत में होते है। सीमा पर शहीद हो रहे हैं जवानों के विषय में भी सही जानकारी नहीं देते और बाद में सही करते हैं। विपक्षी बोलते पत्रकारों से कहती हैं कि सदन इस्तेमाल हमारी राजनैतिक पार्टियां यह दिखाने के लिए कर रही हैं कि कौन उसको किस तरह से बंधक बनाए रख सकता है। जब विपक्ष सदन नहीं चलने देता और जब सत्ता पक्ष ध्वनि मत से अपने बिल पास कराता है , तो दोनों यही कर रहे होते हैं। सदन का काम विधायी है। वहां किसी मुद्दे पर ज्यादा से ज्यादा बहस होनी चाहिए। उसे विभिन्न दिशाओं से देखा - परखा जाना चाहिए। वहां किसी मुद्दे के उन पहलुओं पर भी विचार - विमर्श होना चाहिए , जिन पर किसी दूसरे मंच पर विचार करना संभव नहीं होता। उम्मीद की जाती है कि वहां नियम और नीतियां बनाने का काम होगा।

लेकिन देखने को मिलता है कि जोर नियम तोड़ने और नीतियों

कैसे चलेगा यह हम (यानी उनकी पार्टी) तय करते हैं। ऐसा दावा तो अपने बहुमत के बावजूद सरकार भी नहीं कर सकती। सदन कोई एक पार्टी नहीं चलाती , वह सबका साझा मंच है। इसीलिए उसका महत्व सरकार से भी ज्यादा है। लेकिन संसदीय लोकतंत्र का को बनने से रोकने पर है। दुनिया के अनेक देशों में संसदीय लोकतंत्र है। लेकिन जैसा दृश्य यहां दिखाई देता है , वैसा अन्यत्र कम ही दिखाई देता है। अमेरिका में रिपब्लिकंस और डेमोक्रैटस ने एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिए कम राजनीति नहीं की।

कैसा होगा?

आपके सपनों का भारत

नशा आपसे स्वयं पर नियंत्रण छीन लेता है। आपकी सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है। जब आप नशे की हालत में होते हैं तब सही-गलत का अंतर भूल जाते हैं। खुद का भला भी नहीं सोच पाते फिर देश के लिए वक्त कहां से निकालेगें? अगर आप अपने आप को यूं बर्बाद कर रहे हैं तो यकीन जानिए कि आप देश को बर्बाद कर रहे हैं। हां, आप देश से प्यार नहीं कर रहे हैं।

फिर एक स्वतंत्रता दिवस। देश के प्रति अपनी भावनाएं अभिव्यक्त करने का दिवस। स्वयं पर स्वयं का शासन सेलीब्रेट करने का अवसर। हमारे यहां त्योहारों की विशाल श्रृंखला में राष्ट्रीय पर्व मनाने के कितने कम अवसर हैं फिर भी हम देश के प्रति अपना प्यार दर्शाने के लिए इन्हीं दो दिवस का इंतजार क्यों करते हैं?

थोड़ा ठहर कर सोचिएगा कि अपने ही देश को प्यार करना हमारे लिए इतना मुश्किल क्यों हैं? जाहिर है, देशभक्त युवाओं को यह बात स्वीकार नहीं होगी कि वे देश को प्यार नहीं करते। वे तो अपने वाहनों पर तिरंगा लहराते हैं, अपने मोबाइल में देशभक्ति की हैलो ट्यून लगवाते हैं,

स्क्रीनसेवर, वॉलपेपर,डेस्कटॉप, वेशभूषा सब तो देश के प्यार में रंगे होते हैं फिर कैसे मान लें कि हमें इस दिन की परवाह नहीं? हमें देश से प्यार नहीं? देशभक्ति को किसी पैमाने पर नहीं मापा जा सकता इसके लिए सचमुच दिल पर हाथ रखकर खुद को ही कुछ ईमानदार जवाब देने होंगे।

क्या आप नशा करते हैं?

अगर इस प्रश्न का उत्तर हां हैं तो माफ कीजिएगा आप अपने देश से प्यार नहीं करते। देश को सशक्त, संस्कारी और जोश से भरे युवाओं की आवश्यकता है। अगर आप नशे के शिकंजे में फंसे हैं तो चाहे दिल में आपके कितनी ही देशभक्ति लहरा रही हो लेकिन देश के वह किसी काम की नहीं। अपनी रचनात्मकता का आप दो प्रतिशत भी इस देश को नहीं देते हैं क्योंकि नशा आपको इस लायक छोड़ता ही नहीं है। नशा आपसे स्वयं पर नियंत्रण छीन लेता है। आपकी सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है। जब आप नशे की हालत में होते हैं तब सही-गलत का अंतर भूल जाते हैं। खुद का भला भी नहीं सोच पाते फिर देश के लिए वक्त कहां से निकालेगें? अगर आप अपने आप को यूं बर्बाद कर रहे हैं तो यकीन जानिए कि आप देश को बर्बाद कर रहे हैं। हां, आप देश से प्यार नहीं कर रहे हैं।

क्या आप महिलाओं का सम्मान करते हैं? बहने बेटियों को भी नहीं छोड़ा आपने?

अगर इस प्रश्न का उत्तर देने में आपको सोचना पड़ रहा है। सीधे-सादे प्रश्न को समझने में भी आपको वक्त लग रहा है तो अपने आपसे पूछिए कि क्या सचमुच आप देश को प्यार करते हैं। आप दोस्तों के साथ एकांत में लड़कियों को लेकर अश्लील टिप्पणी करते हैं, आप लड़कियों की नाजुक भावनाओं से खिलवाड़ करते हैं, आपने कितनी ही लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फंसा कर छोड़ दिया है, आप नेट पर आपत्तिजनक साइट्स ढूंढते हैं, लड़कियां आपके लिए मौज-मस्ती का विषय है और सड़क चलते, बसों और अन्य जगहों पर आप उन पर फब्तियां कसते हैं तब तो आप इस देश में रहने लायक ही नहीं है। फिर आपकी दिखावे की देशभक्ति देश के किस काम की? यह देश सदियों से नारीत्व को सम्मान देने वाली गरिमामयी संस्कृति के लिए जाना जाता है अगर इस देश में रहकर आप नारी का किसी भी रूप में अपमान करते हैं तो आप इस देश से प्यार नहीं करते।

क्या आप सड़क पर गंदगी फैलाते हैं?

इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आपको अपनी आदतों का निष्पक्ष मुआयना करना होगा। पैदल, सड़क चलते कार का दरवाजा खोलकर पान की पिक थूकते हैं, गंदी पोलिथीन, गुटखे के पाउच और सिगरेट के टुकड़े जहां-तहां फेंकते हैं। ऐतिहासिक स्थलों पर कोयले या चॉक से प्रेम का इजहार करते हैं, किसी भी दीवार को बाथरूम समझ लेते हैं, घर का कूड़ा दूसरों के घर के सामने छोड़ आते हैं तो खुद ही जवाब दीजिए कि ऐसा कैसा प्यार है साथ ही आपने अपने देश के सच्चे नागरिक होने का अधिकार खो दिया है। भ्रष्टाचार तमाम बुराइयों की जड़ है। लालच इस भ्रष्टाचार की जननी है। अगर आप किसी भी रूप में इस तरह के काम में शामिल हैं तो देश के लिए कितने ही ऊंचे स्वर में नारे लगा लीजिए सब खोखले हैं। आप अगर सचमुच अपने देश को प्यार करते हैं तो इसे भीतर से भी खूबसूरत बनाइए। कर्मों से ऐसे आदर्श रचिए कि भ्रष्टाचार का मूल समाप्त हो सके। एक अकेले अन्ना या किरण बेदी ही क्यों फिक्रमंद हैं देश में लोकपाल बिल लाने के लिए? हम-आप क्यों नहीं नहीं बनते उनकी ताकत? जब हम स्वयं भ्रष्टाचार से दूर होंगे तब ही तो उनका दिल खोलकर साथ दे पाएंगे।

क्या आप मक्कार हैं?

अगर आप अपने काम को बोझ समझते हैं, निरंतर सुधार और बेहतरी की और नहीं बढ़ते हैं तो कोई हक नहीं आपको देशप्रेम के गानों पर झूमने और नाचने का। अगर आप सिर्फ अपने बॉस को दिखाने के लिए काम करते हैं। उनकी अनुपस्थिति में आप कैंटिन की शोभा बढ़ाते हैं या दूसरी टेबलों पर गपियाना आपका प्रिय शगल है तो अप्रत्यक्ष रूप से आप अपने देश का नुकसान कर रहे हैं।

अगर आप किसी भी रूप में इस तरह के काम में शामिल हैं तो देश के लिए कितने ही ऊंचे स्वर में नारे लगा लीजिए सब खोखले हैं। आप अगर सचमुच अपने देश को प्यार करते हैं तो इसे भीतर से भी खूबसूरत बनाइए। कर्मों से ऐसे आदर्श रचिए कि भ्रष्टाचार का मूल समाप्त हो सके। एक अकेले अन्ना या किरण बेदी ही क्यों फिक्रमंद हैं देश में लोकपाल बिल लाने के लिए? हम-आप क्यों नहीं नहीं बनते उनकी ताकत? जब हम स्वयं भ्रष्टाचार से दूर होंगे तब ही तो उनका दिल खोलकर साथ दे पाएंगे।

आपका जो अपने ही प्यारे देश को गंदा और अव्यवस्थित करने पर तुला है?

अगर आप इनमें से कोई या इससे मिलती-जुलती वह हरकत करते हैं जो सड़क को गंदा करती है तो आपको कोई हक नहीं सरकार की नाकामियों को कोसने का। आपको कोई हक नहीं व्यवस्था को गाली देने का और तो और आपको अपने देश को प्यार करने का भी हक नहीं है। फिर भी अगर आप अपने देश को चाहते हैं तो यह चाहत देश के लिए तो बेमानी है।

क्या आप रिश्वत देते या लेते हैं?

अपना काम जल्दी करवाने के लालच में आप पैसे देने से नहीं हिचकिचाते या आप खुद किसी काम को जल्दी करने के लिए ऊपरी आमदनी में विश्वास रखते हैं तो इस प्रश्न के उत्तर के

अपना तो खैर कर ही रहे हैं क्योंकि बेईमानी पहले इंसान को नीचे गिराती है बाद में दूसरों को हानि पहुंचाती है। जिस देश में मक्कारी और बेईमानी ने पैर फैला रखें हो वह तरक्की की राहों पर तेजी से कैसे बढ़ सकेगा? जब देश की तरक्की में आपका कोई योगदान नहीं तब आपका प्यार लेकर देश कैसे कामयाबी के परचम लहरा सकेगा?

कहने को इस तरह के प्रश्नों की लंबी फेहरिस्त है जिनके उत्तर आपको यह समझने में मददगार होंगे कि आपके मन में अपने देश के लिए कितना प्यार है। प्यार, महज आई लव माय इंडिया जैसे शब्दों से ही जाहिर नहीं होता बल्कि आपके व्यवहार, रूचि और कर्मों से अधिक दिखाई पड़ता है। इस स्वतंत्रता दिवस पर अपनी आदतों का मूल्यांकन करें और देश के लिए अच्छे इंसान बनने की पहल शुरू कीजिए।

जमाने के हिसाब से चलना ही बेहतर

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात में लेवा जाति में हुआ। माना जाता है कि इस जाति के लोग भगवान राम के पुत्र लव के वंशज हैं। उनके पिता का नाम झवेर भाई और माता का नाम लाड़बाई था। आजादी की लड़ाई और फिर आजादी के बाद बनी सरकार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह आजाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री थे। उन्हें देश की 550 से ज्यादा रियासतों को भारतीय गणराज्य में मिलाने के लिए जाना जाता है। 15 दिसंबर 1950 को उनका देहांत हो गया।

उनके द्वारा कही गईं कुछ प्रमुख बातें

- हमें आज का जमाना पहचान लेना चाहिए और जमाने को पहचानकर उसी के मुताबिक चलना चाहिए। जो शख्स समय नहीं पहचानता, उसे बाद में पछताना पड़ता है।
- कोई आदमी पत्थर को हीरा मानकर उसे लंबे वक्त तक रखे और संकट के वक्त उसे भुनाने जाए और फिर पछताए, तो इसमें पत्थर का क्या दोष? यह तो उस आदमी की समझ की कमी है।
- दुनिया जबर्दस्त स्कूल है। इसकी डिग्रियां जल्दी-जल्दी नहीं मिलतीं।
- आप बिल्कुल सच्ची बात कहें और खुशामद करना छोड़ दें, तो कई काम हो सकते हैं। अगर सामने कुछ कहें और पीछे कुछ और, तो कुछ नहीं हो सकता। इस तरह आत्मा की अधोगति होती है।
- शिक्षक के चरित्र का बड़ा प्रभाव पड़ता है, इसलिए शिक्षक को अपना जीवन निर्मल बनाना चाहिए।
- हम अपने धर्म का पालन करें, तो दुख भरे इस संसार में हम जरूर सुखी होंगे।
- जवानी जाते देर नहीं लगती और गई हुई जवानी कभी वापस नहीं आती। जो शख्स जवानी के एक-एक पल का इस्तेमाल करता है, वह कभी बूढ़ा नहीं होता।
- बोलने में कभी मर्यादा न छोड़ें। गालियां देना कायरों का काम है।
- लोगों के दिल सुंदर भाषणों से नहीं हिलाए जा सकते और अगर हिलाए भी जा सकते हैं, तो महज पल भर के लिए।
- शहरों में भूखे और बेकार लोग हों, तो वे उपद्रव की जड़ होते हैं। उन्हें बचाना चाहिए। ऐसे लोगों की मदद करनी चाहिए।
- हर स्टूडेंट को किसी एक विषय में संपूर्ण ज्ञान हासिल करना चाहिए। बाकी के विषयों में ज्ञान कम हो तो भी काम चल सकता है, पर सभी विषयों में अपूर्ण होने से काम नहीं चलता।
- अपनी बड़ाई गा-गाकर आदमी बड़ा नहीं हो सकता। इंसान का छोटापन या बड़प्पन उसके काम और व्यवहार से खुद ही जाहिर हो जाता है।

भारत का स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनेक अध्याय हैं, जो 1857 की बगावत से लेकर जलियांवाला नर संहार तक, असहयोग आंदोलन से लेकर नमक सत्याग्रह तक और इसके अलावा अनेक से मिलकर बना है। भारत ने एक लंबी और कठिन यात्रा तय की जिसमें अनेक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अभियान शामिल हैं और इसमें दो मुख्य हथियार थे सत्य और अहिंसा।

हमारे आज़ादी के संघर्ष में भारत के राजनैतिक संगठनों का व्यापक वर्णक्रम, उनके दर्शन और अभियान शामिल हैं, जिन्हें केवल एक पवित्र उद्देश्य के लिए संगठित किया गया, ब्रिटिश उप निवेश प्राधिकार को समाप्त करना और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना। 14 अगस्त 1947 को सुबह 11.00 बजे संघटक सभा ने भारत की स्वतंत्रता का समारोह आरंभ किया, जिसे अधिकारों का हस्तांतरण किया गया था। जैसे ही मध्यरात्रि की घड़ी आई भारत ने अपनी स्वतंत्रता हासिल की और एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया। यह ऐसी घड़ी थी जब स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नियति के साथ भेंट ट्रिस्ट विद डेस्टिनी नामक अपना प्रसिद्ध भाषण दिया।

पायनियर कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने देशभक्ति के जोश के साथ मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

दिव्य दिल्ली: पायनियर कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह, गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। स्कूल परिसर तिरंगे के रंगों से सजा और छात्रों एवं स्टाफ के जोश से गूंज उठा। समारोह की शुरूआत प्रधानाचार्या डॉ. सीमा बजाज द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसमें समस्त शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी और प्राइमरी विंग के नन्हे छात्रों ने देशभक्ति गीतों और नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और देशप्रेम को जीवंत कर दिया। मासूमियत और ऊर्जा से भरे इन प्रदर्शनों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खूब सराहना मिली।

कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाते हुए मिडिल विंग के छात्रों ने "देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका" पर आधारित एक प्रेरणादायक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस सशक्त प्रस्तुति ने सभी को अपनी जिम्मेदारियों और देश के प्रति कर्तव्यों पर गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया।अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्रधानाचार्या डॉ. सीमा बजाज ने छात्रों को उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने तथा एकता, अखंडता और समर्पण के मूल्यों को अपनाने की सीख दी। उन्होंने कहा कि सच्ची आजादी केवल अधिकारों में नहीं, बल्कि कर्तव्यों की पूर्ति में भी निहित है।

कार्यक्रम का समापन उप-प्रधानाचार्या कमलेश कौर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। स्वतंत्रता दिवस का यह आयोजन न केवल भारत के गौरवशाली अतीत को सम्मानित करने वाला रहा, बल्कि छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना को भी प्रबल करने वाला सिद्ध हुआ।

रिजर्व बैंक के ए.जी.एम ने बैंक की योजनाओं की जानकारी दी

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

कंडवाल के समीप नागाबाड़ी में आज आयोजित एक समारोह में रिजर्व बैंक आफ इंडिया (शिमला) से आए एजीएम आशीष सिंगला द्वारा जनहित में आरबीआई द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाएं जो बैंकों द्वारा प्रसारित की जाती हैं उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । 01 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक चल रहे सेचुरेशन अभियान के तहत पंजाब नेशनल बैंक द्वारा कंदरोरी में सेचुरेशन कैम्प आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छउट कांगड़ा श्री पृथ्वी रणवीर तथा भारतीय रिजर्व बैंक से श्री आशीष शर्मा भी उपस्थित रहे' कैम्प में प्रधानमंत्री जनधन योजना खातों की री-केवाईसी, पीएम जीवन ज्योति बीमा, पीएम सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना समेत सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नामांकन किया गया। किसान क्रेडिट कार्ड, आधार लिंक और अन्य बैंकिंग सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी से आयोजन सफल रहा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विधायक मलेंद्र राजन ने किया दौरा, प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर प्रदेश के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने मंड भोगरवां, मंड भादपुर तथा मल्काना क्षेत्रों के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित गांवों का हालात का जायजा लिया और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक ने बताया कि भारी बरसात से पौंग डैम का जलस्तर बढ़ गया है, जिसके चलते पानी छोड़ा जा रहा है और इंदौरा के निचले हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन सतर्क है और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इस बाढ़ से कई परिवारों की फसलों को नुकसान हुआ है, हालांकि इंसानी जान की कोई हानि नहीं हुई। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के नुकसान का आकलन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि प्रदेश सरकार से उचित मुआवजा दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रशासन और जनता के बीच समन्वय जरूरी है तथा राज्य सरकार और प्रशासन राहत व पुनर्वास कार्य में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों से बचने और प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. सुरेंद्र ठाकुर, तहसीलदार अमन, डीएसपी संजीव यादव, एसएचओ अशीष पठानिया, बीडीओ सुदर्शन सिंह, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी दीपक महाजन, एसडीओ पीडब्ल्यूडी सिकंदर, एसडीओ बिजली गुरनाम, पोंग बांध निदेशक डॉ. विशाल, उपाध्यक्ष नीरज कुमार, माइनिंग इंस्पेक्टर जोगिंदर, मलकाना के पूर्व प्रधान तारा चंद सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जीएसटी में होगा सुधार, सीटीआई ने किया फैसले का स्वागत

दिव्य दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ऐलान किया कि इस साल दिवाली तक जीएसटी में बड़े सुधार किए जाएंगे, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। उनके इस बयान का देशभर के व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने स्वागत किया है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जीएसटी दरों में बदलाव और प्रक्रिया को आसान बनाने की मांग की है। गोयल ने पत्र में कहा कि पिछले आठ वर्षों से देश और दिल्ली के 8 करोड़ व्यापारी जीएसटी की ऊंची दरों और जटिल कानूनों से परेशान हैं। उन्होंने विशेष रूप से ट्रैक्टर पार्ट्स, ऑटो पार्ट्स, टू-व्हीलर पार्ट्स जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं को तंबाकू और महंगी गाड़ियों के साथ 28% स्लैब में रखने पर आपत्ति जताई, और इन्हें 5% या 12% स्लैब में लाने की अपील की।

नांगलोई में 'एक उम्मीद फाउंडेशन' द्वारा स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिल्ली: नांगलोई

राजधानी दिल्ली के नांगलोई में एक उम्मीद फाउंडेशन द्वारा स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के पावन अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ की गई, जिससे पूरे माहौल में भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर एक उम्मीद स्पेशल स्कूल के विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण लीला और देशभक्ति से संबंधित सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। बच्चों की इन प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्कूल के संचालक निरंजन नोगिया द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में अर्पिता नोगिया, सचिन और एक उम्मीद स्पेशल स्कूल की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में महेश चंद्र कौशिक, सतपाल, रुपेश, सरवेश मिश्रा, प्रियंका और सुनिता जैसे विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

Action TESA ने Bhiwadi में आयोजित की विशेष कॉन्ट्रैक्टर मीटिंग

कारपेंटर्स को दिया 'TESA सलाम'

दिव्य दिल्ली: भिवाड़ी

एक्शन टेसा ने द रविंद्रम होटेल भिवाड़ी में एक भव्य और विशेष कॉन्ट्रैक्टर मीटिंग का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में कारपेंटर्स, डीलर्स और व्यापारिक प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत कंपनी की खास पहल 'TESA सलाम' के साथ हुई, जो देशभर के कारपेंटर्स के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का एक मंच है। गौरतलब है कि भारत में 'कारपेंटर्स डे' मनाने की शुरूआत भी एक्शन टेसा ने ही की थी। वर्ष 2010 में स्थापित इस कंपनी ने बेहद कम समय में भारतीय बाजार में अपनी एक खास पहचान बनाई है। कंपनी के प्रमुख उत्पाद जैसे MDF और HDHMR बोर्ड्स आज देशभर में फर्नीचर इंडस्ट्री की पहली पसंद बन चुके हैं। ये सभी बोर्ड्स वॉटरप्रूफ, टिकाऊ और लॉन्ग-लास्टिंग होने के साथ-साथ अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपने उत्पादों की खूबियों को विस्तार से प्रस्तुत किया और उपस्थित कारपेंटर्स से प्रत्यक्ष फीडबैक भी प्राप्त किया। सभी ने Action TESA के उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए इन्हें विश्वसनीय और प्रीमियम बताया। आज एक्शन टेसा 10 से अधिक प्रकार के हाई-क्वालिटी फर्नीचर बोर्ड्स का निर्माण करती है और इंडस्ट्री में सबसे मजबूत व भरोसेमंद उत्पाद देने का दावा करती है। इस आयोजन के माध्यम से कंपनी ने यह स्पष्ट किया कि वह न केवल गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण में अग्रणी है, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कारीगरों के साथ संबंध मजबूत करने और उन्हें सम्मान देने में भी विश्वास रखती है। एक्शन टेसा का यह प्रयास फर्नीचर उद्योग में एक प्रेरणादायक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

अपहरण मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली: नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर जिला पुलिस नूरपुर के अंतर्गत ज्वाली पुलिस थाने मे शिकायतकर्ता शेर अली पुत्र तेग अली गांव कलीजपुर डा० शालां, तहसील व जिला गुरदासपुर(पंजाब) की शिकायत पर ज्वाली पुलिस ने गत दिन एक मुकदमा दर्ज किया था' शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत में बताया गया कि गत दिनअपने परिवार के साथ अपने पशुओं को लेकर भढेला, नगरोटा सूरियां से ट्रैक्टर द्वारा गुरदासपुर जा रहा था तो हार पुल के पास ज्वाली की तरफ से एक काली स्कापियो नं0 खडड2उश 1312, इनके ट्रैक्टर के सामने आकर रुकी तथा स्कार्पियों से 4/5 व्यक्ति निकलें इन में से दो / तीन व्यक्तियों को यह जानता था।

जवाली में दुधारू पशु चोरी का सक्रिय गिरोह, भैंसें गायब

दिव्य दिल्ली : भरमाड़ (राजेश कतनौरिया)

उपमंडल जवाली में इन दिनों दुधारू पशुओं को चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय है जिसके द्वारा अलग-अलग जगहों से दुधारू पशुओं को चोरी किया जा रहा है। अभी हाल ही में ग्राम पंचायत कन्दोर से राम लाल की दो दुधारू भैंसें चोरी हुई हैं जिनका कोई सुराग नहीं लगा है और अब ग्राम पंचायत हार में गिरोह द्वारा गौशाला में बांधी गई दुधारू भैंस को चोरी कर लिया गया है। ज्ञान सिंह निवासी खबल ने थाना जवाली में दर्ज करवाई गई शिकायत में बताया कि उसने 13अगस्त को रात्रि अपनी दुधारू भैंस को उसके बच्चे के साथ गौशाला में बांधा हुआ था तथा 14अगस्त को जब दूध दोहने के लिए गौशाला में गए तो वहां भैंस नहीं थी जबकि उसका बच्चा खुला घूम रहा था। शिकायतकर्ता ज्ञान सिंह ने बताया कि भैंस की काफी तलाश की गई परन्तु को पता नहीं चल पाया। उन्होंने बताया कि मैंने दो साल पहले उक्त भैंस को खरीदा था। उन्होंने बताया कि भैंस की कीमत करीबन 80-90हजार रुपए थी। उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई है कि भैंस चोर गिरोह को अतिशीघ्र पकड़ा जाए।

भरमाड़ में ऐंजल दिव्यांग आश्रम का स्थापना दिवस और अयान शर्मा के जन्मदिन पर प्रथम रक्तदान शिविर

दिव्य दिल्ली : भरमाड़(राजेश कतनौरिया)

जबाली बिधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भरमाड़ के वने ऐंजल दिव्यांग आश्रम काली मिट्टी (भगवाल) मैं 16 अगस्त, 2025 को ऐंजल दिव्यांग आश्रम के स्थापना दिवस और उनके बेटे अयान शर्मा के जन्मदिन पर प्रथम रक्तदान शिविर के आयोजन अनोह युवा शक्ति संगठन के सहयोग से किया जा रहा है ! यह जानकारी अनोह युवा शक्ति संगठन के प्रधान लक्ष्मी कांत ,उमेश शर्मा व ऐंजल दिव्यांग आश्रम की संचालक अलका शर्मा ने दी ! उन्होंने बताया की रक्तदान शिविर का शुभारंभ सुबह 9 बजे और समापन 3 बजे होगा ! आश्रम मैं भोजन की व्यवस्था भी की गई है

हरवाल में भाजपा ने विभाजन विभीषिका पर किया कार्यक्रम

दिव्य दिल्ली: गगरेट

गगरेट विधानसभा क्षेत्र के हरवाल में भाजपा द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे और ऐतिहासिक संदर्भों पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि विभाजन का दर्द सिर्फ इतिहास की किताबों में दर्ज एक घटना नहीं है, बल्कि यह लाखों-करोड़ों लोगों की पीड़ा, बलिदान और संघर्ष की अमर गाथा है।

दिल्ली भाजपा नेता राजेश गहलोत के आकस्मिक निधन से शोक की लहर, संगठन ने बताया अपूरणीय क्षति

दिव्य दिल्ली: नई दिल्ली

14 अगस्त : दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता और मटियाला से पूर्व विधायक राजेश गहलोत का आज आकस्मिक निधन हो गया, जिससे पूरे भाजपा परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही पश्चिम दिल्ली के हजारों भाजपा कार्यकर्ता अस्पताल और उनके निवास स्थान पर एकत्रित हो गए। श्री राजेश गहलोत का जन्म 22 सितंबर 1964 को हुआ था। उनका अंतिम संस्कार कल शुक्रवार को नवादा श्मशान घाट पर किया जाएगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, पश्चिम दिल्ली सांसद कमलजीत सहरावत, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, भाजपा नेता पंकज सिंह और विधायक संदीप सहरावत समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। वीरेन्द्र सचदेवा ने श्रद्धांजलि संदेश में कहा कि श्री राजेश गहलोत का जीवन जन सेवा और संगठन विस्तार को समर्पित रहा। उन्होंने पश्चिम दिल्ली, विशेषकर देहात क्षेत्र में भाजपा और राष्ट्रवाद के विचारों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, श्री गहलोत ने एक भव्य रामलीला की शुरूआत कर सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और प्रसार में भी योगदान दिया। उनका निधन न केवल भाजपा बल्कि दिल्ली के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397